आषाढ़ कृष्ण - 7 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 319 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 18-06-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 हताशा में कांग्रेस जनगणना 2027 के बारे में 'झूठा' प्रचार कर रही : भाजपा

6 अतीत में मिले नाज़ी दंश को कभी नहीं भूलते यहूदी

7 आजकल की कॉमेडी फिल्मों में बार-बार दोहराई जा रहे जोस और पंचलाइन : काजोल

फर्स्ट टेक

'आधार' अद्यतन करने की मुफ्त ऑनलाइन सुविधा एक साल बढ़ी

नई दिल्ली/भाषा। नागरिकों को विशिष्ट पहचान संख्या 'आधार' जारी करने वाले भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने दस्तावेजों को मुफ्त में ऑनलाइन अद्यतन करने की सुविधा 14 जून, 2026 तक बढ़ाने की घोषणा की है। यूआईडीएआई ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह मुफ्त सेवा 'माईआधार' पोर्टल पर उपलब्ध है। उसने आधार धारकों से उनकी जनसांख्यिकीय जानकारी की सटीकता बनाए रखने के लिए विवरण को अद्यतन करने का आग्रह किया। प्राधिकरण ने कहा, यूआईडीएआई ने लाखों आधार संख्या धारकों को लाभ पहुंचाने के लिए मुफ्त ऑनलाइन दस्तावेज़ अपलोड सुविधा 14 जून 2026 तक बढ़ा दी है। यह मुफ्त सेवा केवल माईआधार पोर्टल पर उपलब्ध है। यूआईडीएआई लोगों को अपने आधार में अद्यतन दस्तावेज रखने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।

141 साल पुराने विस्फोटक अधिनियम को निरस्त कर सरकार लाएगी नया कानून

नई दिल्ली/भाषा। सरकार 141 साल पुराने विस्फोटक अधिनियम 1884 को निरस्त कर एक नया कानून लाएगी। सरकार का कहना है कि मौजूदा कानून पुराने ब्रिटिश पैटर्न पर आधारित है और यह देश की बढ़ती आवश्यकताओं को पर्याप्त रूप से पूरा नहीं कर रहा है। उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने इस वर्ष 17 जुलाई से पहले प्रस्ताव पर आम जनता, उद्योग संघों और अन्य संबंधित संस्थाओं से टिप्पणियां और सुझाव मांगे हैं। डीपीआईआईटी ने कहा है कि विस्फोटक अधिनियम, 1884 संविधान से पहले का अधिनियम है और इसे 1978 में व्यापक रूप से संशोधित किया गया था।

टिकटॉक बेचने की समयसीमा बढ़ाएंगे ट्रंप

वाशिंगटन/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि वह टिकटॉक के चीनी मालिक के लिए लोकप्रिय वीडियो शेयरिंग ऐप बेचने की समयसीमा बढ़ा सकते हैं। अमेरिकी मालिकों को ऐप बेचने के संभावित सौदे के ठंडे बस्ते में जाने के बाद ट्रंप ने अप्रैल की शुरुआत में टिकटॉक को 75 दिनों के लिए चालू रखने के आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। एक बार फिर समयसीमा बढ़ाने के बारे में संवाददाताओं के सवाल पर उन्होंने कहा, ''शायद हां।'' उन्होंने कहा, ''शायद चीन की मंजूरी लेनी होगी, लेकिन मुझे लगता है कि हम इसे पूरा कर लेंगे। मुझे लगता है कि राष्ट्रपति शी आखिरकार इसकी मंजूरी देंगे।''

भाषाओं के आधार पर विभाजन बर्दाश्त नहीं कर सकता भारत : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- दुनिया में कोई भी देश भाषाओं के मामले में भारत जितना समृद्ध नहीं है।
- संस्कृत का वैश्विक महत्व है और तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, ओडिया, मराठी, पाली, प्राकृत, बंगाली और असमिया के साथ 11 शास्त्रीय भाषाएं हैं।

पुडुचेरी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि भारत दुनिया का एक महत्वाकांक्षी राष्ट्र है और वह भाषा के मुद्दे पर विभाजन बर्दाश्त नहीं कर सकता। उन्होंने लोगों से देश के भविष्य की भलाई पर विचार करने और इस ''तूफान से उबारने'' की अपील की। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को अक्षरशः लागू करने की जोरदार वकालत करते हुए कहा कि यह शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव लाएगी, जिससे देश के विकास को गति मिलेगी। धनखड़ पांडिचेरी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना इस बात पर अफसोस जताया कि भाषाओं को लेकर विरोध हो रहा है।

विश्वविद्यालय में धनखड़ ने कहा, ''पिछले दशक में अभूतपूर्व विकास के परिणामस्वरूप भारत दुनिया का सबसे महत्वाकांक्षी राष्ट्र है। हम भाषाओं को लेकर कैसे विभाजित हो सकते हैं?'' उन्होंने कहा कि दुनिया में कोई भी देश भाषाओं के मामले में भारत जितना समृद्ध नहीं है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि संस्कृत का वैश्विक महत्व है और तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, ओडिया, मराठी, पाली, प्राकृत, बंगाली और असमिया के साथ 11 शास्त्रीय भाषाएं हैं। धनखड़ ने कहा, ''संसद में सदस्यों को 22 भाषाओं में बोलने की अनुमति है। हमारी भाषाएं समावेशिता का संकेत देती हैं। सनातन एक ही महान उद्देश्य के लिए एकजुट होना सिखाता है।'' उन्होंने कहा, ''हमारे गंतव्य को देखें, भविष्य को ध्यान में रखें और हमें तूफान से उबरना चाहिए।'' एनईपी पर, उपराष्ट्रपति ने इसे नहीं लागू करने वाले राज्यों से कहा कि वे नीति को लागू करें क्योंकि यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति ''महत्वपूर्ण बदलाव'' लाएगी। उन्होंने कहा, ''मैं उन राज्यों से अपील करता हूं जिन्होंने इसे नहीं अपनाया है और जो इसे लागू कर रहे हैं, वे नीति में दी गई बातों को समझें। कार्यशालाओं के माध्यम से छात्रों को नीति के लाभ के बारे में पूरी तरह से अवगत कराएं।'' धनखड़ ने कहा कि एनईपी दुनिया की सबसे अच्छी नीति है क्योंकि यह छात्रों को अपनी प्रतिभा और क्षमता का पूरा दोहन करने के अलावा कई पाठ्यक्रमों को आगे बढ़ाने और समय का अधिकतम उपयोग करने का अवसर देती है।

अमेरिका जानता है कि ईरान के शीर्ष नेता खामेनेई कहां छिपे हैं : ट्रंप

ट्रंप ने ईरान को बिना शर्त आत्मसमर्पण करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/एपी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका जानता है कि ईरान के शीर्ष (धार्मिक) नेता अयातुल्ला अली खामेनेई कहां छिपे हैं, लेकिन वह फिलहाल उन्हें मारना नहीं चाहता।

ट्रंप ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए ईरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण करने का आग्रह किया, क्योंकि पांच दिन से जारी संघर्ष लगातार बढ़ता जा रहा है। ट्रंप ने कहा, हमें अच्छी तरह पता है कि तथाकथित सर्वोच्च नेता कहां छिपे हैं।

ट्रंप ने कहा, वह एक आसान निशाना हैं, लेकिन वहां सुरक्षित हैं, हम उन्हें अभी मारने नहीं जा रहे हैं, कम से कम फिलहाल तो नहीं। लेकिन हम नहीं चाहते कि आम नागरिकों या अमेरिकी सैनिकों पर मिसाइलें दागी जाएं। हमारा संयम अब जवाब दे रहा है।

तेहरान के प्रति ट्रंप की भाषा पहले से कहीं ज्यादा आक्रामक हो गई है। ट्रंप की ये कठोर टिप्पणियां उस समय आई है जब ट्रंप ने तेहरान के 95 लाख निवासियों से अपनी जान बचाने के लिए शहर छोड़ने की अपील की है और एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की अपनी यात्रा बीच में ही छोड़कर वॉशिंगटन लौट आए ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ आपात बैठक कर सकें।

ट्रंप मंगलवार की सुबह व्हाइट हाउस पहुंचे।

वाशिंगटन लौटते ही ट्रंप ने ईरानी नेताओं के साथ समझौता न कर पाने के लिए निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वे अब इस संघर्ष का सद्या अंत चाहते हैं और तेहरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह बंद हो जाना चाहिए।

ट्रंप ने कहा, उन्हें समझौता कर लेना चाहिए था। मैंने कहा था, 'समझौता करो।' तो मैं अब ज्यादा बातचीत के मूड में नहीं हूं।

ईरान ने कई बार कहा है कि उनका परमाणु कार्यक्रम सिर्फ शांतिपूर्ण है और अमेरिकी खुफिया एजेंसियां भी मानती हैं कि वे सक्रिय रूप से परमाणु बम नहीं बना रहे।

ट्रंप ने कनाडा में जारी जी-7 शिखर सम्मेलन को बीच में ही छोड़कर वाशिंगटन रवाना होने से पहले सोमवार रात को एक संदेश में लिखा, '' ईरान परमाणु हथियार नहीं रख सकता।'' उन्होंने अपने संदेश में कहा,''सभी को तेहरान तत्काल खाली कर देना चाहिए।''

बाद में ट्रंप ने इस बात से इनकार किया कि वह संघर्ष विराम पर काम करने के लिए जल्दबाज़ी में लौटे हैं। वाशिंगटन लौटते समय एयर फोर्स वन में संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा, मैं संघर्ष विराम की तरफ नहीं देख रहा हूं।

प्रधानमंत्री मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए कनाडा पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कैलगरी (कनाडा)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि वह कनाडा के कनैनिस्किस में जी-7 शिखर सम्मेलन में वैश्विक नेताओं से मुलाकात के दौरान महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे तथा 'ग्लोबल साउथ' की प्राथमिकताओं पर जोर देंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार शाम को यहां पहुंचे और यह एक दशक में मोदी की कनाडा की पहली यात्रा है। प्रधानमंत्री इस दौरान विश्व के नेताओं के साथ मुलाकात करेंगे और ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी तथा नवाचार सहित महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

मोदी ने सोमवार शाम को एक पोस्ट में कहा, ''जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कनाडा के कैलगरी पहुंच गया हूं। शिखर सम्मेलन में विभिन्न नेताओं से मुलाकात करूंगा और महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर अपने विचार साझा करूंगा। ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं पर भी जोर दूंगा।''

'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के निमंत्रण पर साइप्रस से सोमवार शाम (स्थानीय समयानुसार) कनाडा पहुंचे। कनैनिस्किस में यह सम्मेलन 16 जून से 17 जून तक चलेगा। यह जी-7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री की लगातार छठी बार भागीदारी है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा,'' प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए कनाडा के अल्बर्टा पहुंचे। प्रधानमंत्री ऊर्जा सुरक्षा के भविष्य के साथ ही विविधीकरण, प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढांचे और निवेश पर जी-7 चर्चाओं में भाग लेंगे।

पश्चिम बंगाल सरकार की ओबीसी आरक्षण अधिसूचना पर अंतरिम रोक

कोलकाता/भाषा। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा ओबीसी-ए और ओबीसी-बी श्रेणियों के तहत 140 उपवर्गों को आरक्षण के संबंध में जारी अधिसूचनाओं पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति तपब्रत चक्रवर्ती और न्यायमूर्ति राजशेखर मंथा की खंडपीठ ने 31 जुलाई तक अंतरिम रोक लगाते हुए निर्देश दिया कि राज्य सरकार द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणियों के संबंध में आठ मई से 13 जून के बीच जारी की गई कार्यकारी अधिसूचनाएं उस तिथि तक प्रभावी नहीं होंगी। अदालत ने निर्देश दिया कि इसके परिणामस्वरूप होने वाले सभी कार्य भी 31 जुलाई तक स्थगित रहेंगे। अदालत ने मामले से जुड़े सभी पक्षों को निर्देश दिया कि वे इस बीच जनहित याचिका में ओबीसी श्रेणियों के तहत शामिल करने के उद्देश्य से नए मानक सर्वेक्षणों और अधिसूचनाओं को चुनौती देने के संबंध में अपनी दलीलों पर हलफनामा दाखिल करें।

एअर इंडिया में दिक्कतें: सात अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/कोलकाता/भाषा। टाटा समूह के स्वामित्व में साढ़े तीन साल पहले आई एअर इंडिया संभवतः अपने सबसे बड़े संकट का सामना कर रही है और एयरलाइन की उड़ानें मुश्किलों से गुजर रही हैं। मंगलवार को विभिन्न कारणों से जहां उसकी सात अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं, वहीं सैन फ्रांसिस्को-मुंबई उड़ान में तकनीकी गड़बड़ी के कारण यात्रियों को बीच में ही विमान से उतरना पड़ा।

विमानन कंपनी ने कहा कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा ड्रीमलाइनर बेड़े की कड़ी जांच किए जाने के कारण एअर इंडिया ने छह अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दीं, जबकि अहमदाबाद-लंदन गैटविक उड़ान को विमान की अनुपलब्धता के कारण रद्द कर दिया गया।

दिल्ली-पेरिस उड़ान को उड़ान-पूर्व जांच के दौरान कुछ समस्याओं का पता चलने के बाद रद्द कर दिया गया। रद्द की गई अन्य उड़ानों में बेंगलुरु-लंदन, लंदन-अमृतसर, दिल्ली-वियना, दिल्ली-दुबई और मुंबई-सैन फ्रांसिस्को शामिल हैं।

इसके अलावा, एअर इंडिया ने अपनी सैन फ्रांसिस्को-मुंबई उड़ान के एक इंजन में तकनीकी खराबी आने के कारण मंगलवार सुबह इसे कोलकाता में निर्धारित ठहराव पर ही समाप्त कर दिया।

सेवा में यह व्यवधान ऐसे समय में हुआ है जब अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि 12 जून को लंदन जा रही एअर इंडिया की उड़ान अहमदाबाद से रवाना होने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त क्यों हो गई थी। इस हादसे में विमान में सवार और जमीन पर मौजूद 270 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।

इस घटना से एयरलाइन और उसके मालिक टाटा समूह को गहरा झटका लगा है, जो लक्जरी कारों से लेकर नमक और सॉफ्टवेयर के साथ-साथ आईफोन तैयार करने पर गर्व करता है।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने कहा

इजराइली हमलों से ईरान के भूमिगत परमाणु स्थल को नुकसान पहुंचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- शुक्रवार के हमलों के बाद एकत्रित 'हाई रेजूलेशन' उपग्रह चित्रों के निरंतर विश्लेषण के आधार पर आईएईए ने अतिरिक्त तत्वों की पहचान की है जो नतांज में भूमिगत संवर्धन हॉल पर प्रत्यक्ष प्रभाव का संकेत देते हैं।

दुबई/एपी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने मंगलवार को कहा कि उसका मानना है कि ईरान के नतांज संवर्धन स्थल पर इजराइल के हवाई हमलों का वहां के भूमिगत सेंट्रीफ्यूज हॉल पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ा है।

यूरेनियम संवर्धन के लिए उपयोग किए जाने वाले सेंट्रीफ्यूज को रखने के वास्ते बनाए गए भूमिगत स्थल को 'सेंट्रीफ्यूज हॉल' कहा जाता है।

ये हमले इजराइल द्वारा अपने शत्रु ईरान के खिलाफ पांच दिन पहले शुरू किए गए हवाई अभियान का हिस्सा हैं, जिसमें ईरान के सैन्य और परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाया गया था।

यह पहली बार है जब संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था ने नतांज के भूमिगत हिस्से में हमलों से हुए नुकसान का आकलन किया है, जो ईरान के परमाणु कार्यक्रम का मुख्य संवर्धन केंद्र है।

एजेंसी ने कहा, शुक्रवार के हमलों के बाद एकत्रित 'हाई रेजूलेशन' उपग्रह चित्रों के निरंतर विश्लेषण के आधार पर आईएईए ने अतिरिक्त तत्वों की पहचान की है जो नतांज में भूमिगत संवर्धन हॉल पर प्रत्यक्ष प्रभाव का संकेत देते हैं।

पहले ही, जमीन के ऊपर स्थित संवर्धन के लिये इस्तेमाल होने वाले क्षेत्र को नष्ट कर दिया गया था, साथ ही सुविधा को संचालित करने वाले विद्युत उपकरण भी नष्ट कर दिए गए थे।

इजराइल को खुद की रक्षा का अधिकार : जी 7

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- ईरान क्षेत्रीय अस्थिरता और आतंक का मुख्य स्रोत है। हम लगातार स्पष्ट रहे हैं कि ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार नहीं हो सकते : जी 7

अल्बर्टा (कनाडा)/भाषा। कनाडा के अल्बर्टा में 51वें शिखर सम्मेलन के लिए बैठक कर रहे जी-7 नेताओं ने मंगलवार को ईरान को 'क्षेत्रीय अस्थिरता और आतंक का मुख्य स्रोत' बताते हुए इजराइल के लिए अपने समर्थन की पुष्टि की।

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के लोगों को तेहरान खाली करने की चेतावनी देने के बाद बैठक से स्वदेश वापस चले गए हैं। दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में भाग ले रहे जी-7 नेताओं ने पश्चित एशिया में शांति और स्थिरता के लिए प्रतिबद्धता दोहराई और ईरानी संकट के समाधान का आह्वान किया ताकि क्षेत्र में शत्रुता में कमी आ सके और गाजा में युद्ध विराम हो सकें।

'इजराइल और ईरान के बीच हालिया घटनाक्रम' शीर्षक से जारी बयान में जी-7 नेताओं ने जोर देकर कहा कि इजराइल को अपनी रक्षा करने का अधिकार है और ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार नहीं हो सकता।

नेताओं ने अपने एक संक्षिप्त बयान में कहा ' हम जी-7 के नेता पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं। इस संदर्भ में हम पुष्टि करते हैं कि इजराइल को अपनी रक्षा करने का अधिकार है। हम इजराइल की सुरक्षा के लिए अपना समर्थन दोहराते हैं। हम नागरिकों की सुरक्षा के महत्व की भी पुष्टि करते हैं। ईरान क्षेत्रीय अस्थिरता और आतंक का मुख्य स्रोत है। हम लगातार स्पष्ट रहे हैं कि ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार नहीं हो सकते।' उन्होंने कहा कि वे अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर पड़ने वाले प्रभावों के प्रति सतर्क रहेंगे और बाजार की स्थिरता की रक्षा के लिए समान विचारधारा वाले भागीदारों के साथ समन्वय करने के लिए तैयार रहेंगे।

गौरतलब है कि यह बयान ऐसे समय में आया है जब गहराते इजराइल ईरान संकट के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति सोमवार शाम को अचानक कनाडा की अपनी यात्रा को बीच में ही छोड़ स्वदेश लौट गए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरानी लोगों को 'तेहरान तुरंत छोड़ देने' की चेतावनी दी थी। इस बीच रवाना होने से पहले ट्रंप ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद से कहा 'ईरान को उस (परमाणु) समझौते पर हस्ताक्षर कर देना चाहिए था, जिस पर मैंने उन्हें हस्ताक्षर करने के लिए कहा था। यह कितनी शर्म की बात है और मानव जीवन की बर्बादी है। सीधे शब्दों में कहें तो ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकता।

18-06-2025 सूर्यास्त 6:47 बजे | 19-06-2025 सूर्योदय 5:54 बजे

BSE	NSE
81,583.30 (-212.85)	24,853.40 (-93.10)

सोना	चांदी
10,441 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	109,016 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आजादी के मायने

सेवक खुद को मालिक कहते,
मालिक मजबूर बने वादी।
अपना ही घर भरने के हम,
हो चुके सभी इतने आदी।
घट गए मूल्य विद्वानों के,
हो गई आज मँहगी खादी।
है भेदभाव हर सिस्टम में,
फिर बोलो कैसी आजादी।।

मंगलवार को बेंगलूरु पैलेस में आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस समारोह में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार एवं अन्य।

वन विभाग अगर अपनी जमीन पर पार्क विकसित करता है तो बीबीएमपी उसे फंड मुहैया कराएगा : डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि अगर वन विभाग कब्बन पार्क और लालबाग की तर्ज पर बेंगलूरु में वन भूमि विकसित करने के लिए आगे आता है तो बीबीएमपी उसे फंड मुहैया कराएगा। पैलेस ग्राउंड में आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस पर बोलते हुए उन्होंने कहा, अगर वन विभाग कब्बन पार्क और लालबाग की तर्ज पर अपनी जमीन पर पार्क विकसित करता है तो इससे जनता को फायदा होगा और वन भूमि पर अतिक्रमण भी नहीं होगा। हम सभी को यह समझने की जरूरत है कि जमीन हमारी नहीं है बल्कि हम धरती के हैं। हम भविष्य की अनदेखी करके धरती मां का दोहन नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि सरकार हमारी जमीन, पानी और प्रकृति की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। हमें यह समझना चाहिए कि हम तभी हैं जब धरती है।

उन्होंने कहा, हम सभी को अपने जीवनकाल में कम से कम एक पेड़ लगाने की शपथ लेनी चाहिए। जिस क्षण मैं बेंगलूरु विकास मंत्री बना, मैंने एक योजना शुरू की थी, जिसके तहत प्रत्येक छात्र एक पौधा गोद लेगा। इस योजना के तहत 50,000 पौधे लगाए गए और छात्र उनकी देखभाल कर रहे हैं।

मेडिकल अभ्यर्थी बिचौलियों के झांसे में न आएं: पाटिल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक के चिकित्सा शिक्षा मंत्री शरण प्रकाश पाटिल ने मंगलवार को मेडिकल सीट के दावेदार अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों से अपील की कि वे किसी भी परिस्थिति में बिचौलियों के झांसे में न आएं।

मंत्री ने आगाह किया कि अगर ऐसे बिचौलिए अभ्यर्थी या अभिभावकों को मेडिकल सीट दिलाने के झूठे वादे करके गुमराह करते हैं तो उनकी पहचान की जाएगी और कानून के तहत उनसे कड़ाई से निपटा जाएगा। उन्होंने एक बयान में कहा कि डॉक्टर बनने के सपने के लिए कड़ी मेहनत और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में अच्छा प्रदर्शन करने वाले अभ्यर्थियों को सीट हासिल करने की चिंता में धोखेबाजों के जाल में नहीं फंसना चाहिए।

मंत्री ने आगाह किया काफी लोग मेडिकल सीट दिलाने का झूठा वादा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग अभ्यर्थियों से दावा करते हैं कि उनका उच्च पद पर बैठे लोगों से ''संपर्कों'' है जिससे वे कुछ कॉलेजों में प्रवेश दिला सकते हैं, लेकिन बाद में धोखाधड़ी करके वे गायब हो जाते हैं।

उनके अनुसार, कर्नाटक में 1,47,782 अभ्यर्थियों ने नीट के लिए पंजीकरण कराया था और 1,42,369 परीक्षा में शामिल हुए थे। इनमें से 83,582 छात्र हाल ही में घोषित परिणामों में उत्तीर्ण हुए हैं। उन्होंने कहा, ''शीर्ष कॉलेज में सीट सुरक्षित करने के लिए जल्दबाजी या चिंता में काम न करें। बिचौलिए आपकी इसी चिंता का फायदा उठाने के लिए इंतजार कर रहे हैं। सतर्क रहें और उनके झांसे में न आएं।'' पाटिल ने कहा कि सभी सीट के आवंटन केवल कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण (केईए) के माध्यम से व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से किए जाएंगे। उन्होंने कहा, ''छात्रों और अभिभावकों को इन आधिकारिक प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करना चाहिए।'' उन्होंने अच्छी रैंक हासिल करने वाले सभी छात्रों को बधाई दी और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

शीर्ष अदालत के आदेश का सम्मान करेंगे : शिवकुमार

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने मंगलवार को कन्नड़ कार्यकर्ताओं से उच्चतम न्यायालय के आदेश का पालन करने की अपील की, जिसमें राज्य सरकार को कमल हासन अभिनीत फिल्म 'ठग लाइफ' का प्रदर्शन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। अभिनेता (70) की कन्नड़ भाषा के बारे में टिप्पणी से बड़ा विवाद पैदा होने के बाद कन्नड़ कार्यकर्ता फिल्म के प्रदर्शन के खिलाफ खड़े हो गए हैं। उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया, पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और सिनेमाघरों को फिल्म प्रदर्शित न करने की चेतावनी दी।

उनका आरोप था कि हासन ने कन्नड़ के समृद्ध इतिहास को जाने बिना उसका अपमान किया है। उच्चतम न्यायालय ने 'ठग लाइफ' को राज्य के सिनेमाघरों में प्रदर्शित नहीं किये जाने को लेकर कर्नाटक सरकार को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि भीड़ और नैतिकता के तथाकथित पहरेदारों को सड़कों पर हंगामा करने इजाज़त नहीं दी जा सकती। अदालत के आदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने कहा, हमें उच्चतम न्यायालय के आदेश का सम्मान के साथ पालन करना होगा। हर किसी की अपनी सीमाएं होती हैं।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर ने अपने सामाजिक दायित्व का निर्वाहन करते हुए पट्टनगेरे स्थित गवर्नमेंट लोअर प्राइमरी स्कूल में हनुमानमल, संजय, मनोज बैद आदि के सौजन्य से बच्चों के लिए डेस्क उपलब्ध करवाई गई। तेयुप के अध्यक्ष बिकाश छाजेड़ ने सभी का स्वागत किया। स्कूल प्राध्यापक सुगना ने तेयुप के सदस्यों को धन्यवाद दिया।

सतावीस ओसवाल जैन संघ का स्नेह मिलन सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्री सतावीस ओसवाल जैन संघ का स्नेह मिलन देवनहल्ली स्थित एक रिसोर्ट में रविवार को सम्पन्न हुआ। भगवान आदेश्वर के कल्याण दिवस पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। संघ के सभी सदस्यों की उपस्थिति में पदाधिकारियों ने संघ हित में अपने अपने विचार व्यक्त किए। इस बैठक में संघ की नई कार्यकारिणी का गठन हुआ जिसमें सर्वसम्मति से संघ के नए अध्यक्ष राजकुमार नागौत्रा सोलंकी, उपाध्यक्ष नरेशकुमार परमार, सचिव अजयकुमार नागौत्रा सोलंकी, सहसचिव गौतमचन्द नागौत्रा सोलंकी, कोषाध्यक्ष जयंतीलाल तातेड़ सहित कार्यकारिणी सदस्यों का चयन किया गया। दोपहर में बच्चों के खेलकूद और मनोरंजक कार्यक्रम एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम बहुत ही उत्साह के साथ सम्पन्नहुए। समारोह में संघ के वरिष्ठ सदस्य अमृतलाल परमार, बाबूलाल बंदामूथा, मांगीलाल जैन का सम्मान किया गया। संघ के पूर्व अध्यक्ष मांगीलाल सिरोहिया, जेठमल गादिया, शांतिलाल नागौत्रा सोलंकी, शांतिलाल कोठारी, सुरेश कुमार कोठारी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

भगदड़ मामले में इस्तीफा मांगने वाले भाजपा नेताओं पर सिद्दरामय्या ने किया पलटवार

कहा- ऐसी घटनाओं के बाद इस्तीफा देने वाले भाजपा नेताओं की सूची जारी करें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई भगदड़ की घटना के बाद भाजपा नेताओं द्वारा उनका इस्तीफा मांगे जाने पर मंगलवार को कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मैं राज्य भाजपा के नेताओं से अनुरोध करता हूं कि ऐसी मांग करने से पहले पूर्व में इस तरह की घटनाओं के बाद इस्तीफा देने वाले अपनी पार्टी के नेताओं की सूची जारी करें।

सिद्दरामय्या ने कहा कि चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास जो हुआ, वह एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना है। एक जिम्मेदार सरकार के रूप में, हमने इस घटना की जवाबदेही ली है। हमने बेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निलंबित किया और राज्य खुफिया विभाग के प्रमुख का तबादला कर दिया। मेरे राजनीतिक सचिव को भी उनके कर्तव्यों से मुक्त कर दिया गया। इसके अलावा हमने मामले की गहन जांच करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति जॉन माइकल कुन्हा के नेतृत्व में एक सदस्यीय आयोग का गठन किया है।

सिद्दरामय्या ने कहा कि ऐसी निर्णायक कार्रवाई के बावजूद राज्य में भाजपा नेताओं की ओर से विरोध जारी है। इससे स्पष्ट होता है कि उनके इरादे लोगों के प्रति वास्तविक चिंता से प्रेरित होने के बजाय राजनीतिक हैं। त्रासदियों का राजनीतिकरण करना भाजपा के लिए कोई नई बात नहीं है। मृत्यु, दुर्घटना या हिंसा की हर घटना पर गिद्धों की तरह झपटना उनके डीएनए में समाहित है। कर्नाटक की जनता इस व्यवहार को समझ चुकी है।

सिद्दरामय्या ने कहा कि हम हर त्रासदी से पीड़ित परिवारों के दुख और पीड़ा से सहानुभूति रखते हैं। यही कारण है कि हम ऐसी घटनाओं का राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल नहीं करते। हालांकि, भाजपा नेताओं द्वारा इन घटनाओं को उछालकर जनता को भड़काने के बार-बार प्रयासों को देखते हुए, हम उनके शासन के दौरान हुई कुछ घटनाओं को लोगों के ध्यान में लाकर उनके पाखंड को उजागर करने के लिए बाध्य महसूस करते हैं।

सिद्दरामय्या ने साल 2002 के गुजरात दंगों का जिक्र करते हुए कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने न तो पद छोड़ा और न ही आज तक कोई खेद जताया। हमारा इस्तीफा मांगने वालों को पहले इस पर ध्यान देना चाहिए। सिद्दरामय्या ने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। हमारी पार्टी ने इस घटना पर प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग नहीं की थी। हमने इस पर चर्चा के लिए सिर्फ संसद का विशेष सत्र बुलाने का अनुरोध किया था, जिसे प्रधानमंत्री ने अस्वीकार कर दिया। अभी तक इस हमले के दोषियों की पहचान नहीं हो पाई है। क्या यह केंद्र सरकार की विफलता नहीं है? इस विफलता के लिए कौन जिम्मेदार है? क्या पं. जवाहरलाल नेहरू, राहुल गांधी या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी?

जेवाईएस ने होसकोटे की जीवदया गौशाला में शेड का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जैन युवा संगठन(जेवाईएस) द्वारा महावीर जन्मोत्सव कार्यक्रम के दौरान फ्रीडम पार्क में गौशाला झोली में प्राप्त राशि व संगठन-ट्रस्ट के सदस्यों के सहयोग से होसकोटे के शांतिलाल दीपककुमार भंडारी ट्रस्ट द्वारा संचालित जीवदया गौशाला में गौशेड बनवाया गया और सहयोग राशि प्रदान की गई।

संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत, पूर्व अध्यक्ष भरत रांका, पूर्व उपाध्यक्ष मुकेश बाबेल, दिलीप संचेती, पूर्व सहमंत्री विपुल पोरवाल एवं सेवा ट्रस्ट के दिनेश सुराणा ने गौशाला में निर्मित गौशेड का उदघाटन किया। इस मौके पर गौशाला ट्रस्ट के अनेक पदाधिकारियों, गौशाला संचालक दीपक भंडारी, संगठन के उपाध्यक्ष मुकेश सुराणा, मंत्री नीरज कटारिया, कोषाध्यक्ष सन्तोष डूंगरवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। सदस्यों ने गौसेवा के बाद जय जीरावला तीर्थ, होसकोटे एवं कोलार स्थित अन्तर गंगे मंदिर के दर्शन किए।

कर्नाटक के अलीपुर गांव के 100 से अधिक लोग ईरान में फंसे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिक्कबलापुर। इजराइल और ईरान के मध्य बढ़ते तनाव के बीच कई भारतीय नागरिक ईरान में फंसे हुए हैं। इनमें से 100 से ज्यादा लोग कर्नाटक के चिकबलपुर जिले के अलीपुर गांव से हैं। यह गांव मुख्य रूप से शिया मुस्लिमों का गांव है। इनमें छात्र, परिवार और कामकाजी पेशेवर शामिल हैं, जो शिक्षा, व्यवसाय और धार्मिक गतिविधियों के लिए ईरान गए थे। तेहरान में दूतावास और कर्नाटक में स्थानीय सरकारी अधिकारियों के साथ भारतीय अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं और क्षेत्र में फंसे लोगों की सुरक्षित वापसी के लिए इंतजाम में सहयोग कर रहे हैं।

नवीनतम मतदाता सूची के अनुसार, अलीपुर लगभग 25,000 लोगों की आबादी वाला गांव है जिसमें 8,000 से 8,500 मतदाता हैं। यहां हिंदुओं की आबादी भी है, लेकिन लगभग 90 प्रतिशत निवासी मुस्लिम हैं जो मुख्य रूप से शिया समुदाय से हैं। यह गांव ईरान के साथ अपने गहरे धार्मिक और सांस्कृतिक संबंधों के लिए जाना जाता है, जो इसे धर्म से जुड़े एवं चिकित्सा अध्ययन के लिए एक आम गंतव्य बनाता है। अलीपुर में मस्जिद-ए-जाफरिया के इमाम मौलाना सैयद मोहम्मद यूशा अबेदी ने कहा, ''हमारे अलीपुर के कुछ छात्र वर्तमान में ईरान में पढ़ाई कर रहे हैं।'' अबेदी ने कहा, ''कोम में लगभग 50 लोग हैं और लगभग 15 छात्र तेहरान में एमबीबीएस कर रहे हैं। अन्य 25 से 30 लोग कोम और मशहद जैसे शहरों में व्यवसाय में शामिल हैं। कुल मिलाकर अलीपुर के लगभग 100 लोग वर्तमान में ईरान में हैं, जिनमें परिवार और बच्चे शामिल हैं।''

हाल में इजराइल के हवाई हमलों के बाद ईरान के विभिन्न शहरों में रहने वाले अलीपुर के अधिकतर निवासियों को सुरक्षित क्षेत्रों में ले जाया गया है। इमाम ने कहा, भारतीय दूतावास संपर्क में है और दूतावास ने इनमें से कई को तेहरान से कोम में स्थानांतरित करने में मदद की है। ईरान में बीडीएस की छात्रा हबीबे जहरा के पिता सैयद अबू ताहिर ने कहा, वे अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं और हमें उम्मीद है कि सभी सुरक्षित लौट आएंगे। ताहिर ने कहा, मेरी बेटी 2024 से वहां बीडीएस की पढाई कर रही है और लड़कियों के छात्रावास में रह रही है। वहां सब कुछ ठीक है, लेकिन मौजूदा स्थिति को देखते हुए हम डरे हुए हैं। हमने स्थानीय अधिकारियों को पहले ही सूचित कर दिया है और विकास सौध (कर्नाटक राज्य सचिवालय) के एक अधिकारी ने भी हमसे संपर्क किया है। वे इस स्थिति में हमारा समर्थन कर रहे हैं।

मूल रूप से अलीपुर के निवासी सकलेन अब्बास बेंगलूरु में कॉलेज में अपने बेटे के दाखिले के लिए 20 दिन पहले भारत लौटे थे। हालांकि, उनकी पत्नी और दो बच्चे ईरान में ही हैं। उन्होंने कहा, ''मेरी पत्नी ईरान में फंसी हुई हैं। कर्नाटक के कई लोग वहां फंसे हुए हैं, जिनमें छात्र भी शामिल हैं। फिलहाल, स्थिति सामान्य है। सभी दुकानें खुली हैं और काम कर रही हैं।

हालांकि, मौजूदा स्थिति को देखते हुए हालात और खराब होने की आशंका है। भारतीय दूतावास सभी भारतीयों को सीमाओं के करीब लाने और उनकी सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है।'' गांव के कई परिवार अपने प्रियजनों की वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मीर नजर अब्बास के पिता मीर जाहिद रजा ने पुष्टि की कि उनके परिवार के चार सदस्य अब भी ईरान में हैं, जिनमें चार वर्षीय और 13 वर्षीय बच्चा भी शामिल है। उन्होंने कहा, ''वे सुरक्षित हैं, लेकिन हम चिंतित हैं।''

कांठा प्रांत ट्रस्ट ने ऑनलाइन आयोजित किया कैरियर नेविगेटर कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट द्वारा भारत भर में बसे कांठा प्रांत के स्नातकोत्तर तक के विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन कैरियर नेविगेटर' कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को किया गया जिसमें शिक्षाविद व प्रशिक्षिका डॉ. प्रतिभा जैन ने कहा, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि आप आज क्या कर रहे हैं, इसलिए जब कैरियर की बात आती है तो हम सभी के लिए यह समझना और उचित निर्णय लेना महत्वपूर्ण है। यह तो निश्चित है कि सफलता का कोई शॉर्ट कट नहीं होता है, कड़ी मेहनत से ही सफलता मिलती है। कार्यक्रम में रोबोटिक्स, मेक्ट्रोनिक्स, मैकेनिकल, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर विज्ञान, एआई-संचालित अंतर्दृष्टि डेटा विज्ञान, मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि विषयों पर कैरियर के लिए सलाह दी जाएगी। पहले सत्र में डॉ. प्रतिभा ने नए युग के कैरियर में बढ़ते क्षेत्र फ़िनटेक, वित्त, प्रौद्योगिकी इत्यादि पर विद्यार्थियों को विशेष मार्गदर्शन दिया। साथ ही उन्होंने कुछ पाठ्यक्रमों पर चर्चा भी की। कार्यक्रम के दौरान उत्साही विद्यार्थियों के प्रश्नों का समाधान किया। कांठा ट्रस्ट के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने सभी का स्वागत करते हुए आयोजन की महत्ता पर प्रकाश डाला। महामंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने कार्यक्रम की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। सहसंयोजक शुभम कोठारी ने संचालन किया तथा संयोजक संजय गुंदेचा ने धन्यवाद दिया।

अंतर-मंत्रालयी प्रयास से भारत दुर्लभ खनिज चुंबक में आत्मनिर्भर बनेगा : कुमारस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने मंगलवार को कहा कि अंतर-मंत्रालयी प्रयास भारत को दुर्लभ खनिज चुंबक के मामले में आत्मनिर्भर बनने का मार्ग प्रशस्त करेंगे। दुर्लभ खनिज चुंबक का इस्तेमाल इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी), इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों, रक्षा और अन्य क्षेत्रों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। कुमारस्वामी ने यहां कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी के साथ दुर्लभ खनिज चुंबक के मुद्दे पर एक अंतर-मंत्रालयी बैठक की अध्यक्षता करने के बाद यह बात कही। कुमारस्वामी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि दुर्लभ खनिज चुंबक के मुद्दे पर किशन रेड्डी के साथ हुई बैठक में भारी उद्योग मंत्रालय, इस्पात मंत्रालय, खान मंत्रालय, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय तथा परमाणु ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने कहा, यह अंतर-मंत्रालयी प्रयास ईवी, इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा और अन्य क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक सामग्रियों में भारत की आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त करेगा।

रेड्डी ने भी अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि बैठक में चर्चा खनन से लेकर रिफाइनिंग और अंतिम उपयोग तक मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने पर केंद्रित थी। उन्होंने कहा, नरेन्द्र मोदी सरकार ने राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन (एनसीएमएम) को लागू किया है और खनिजों के मामले में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए समग्र दृष्टिकोण को अपना रही है। प्रमुख धातुओं के निर्यात पर चीन के हाल के प्रतिबंधों ने भारत सहित कई देशों में वाहन और सेमीकंडक्टर चिप के विनिर्माण में व्यापक गतिरोध पैदा किया है।

अदालत ने सरकार से रिपोर्ट को 'सीलबंद लिफाफे' में देने पर सवाल किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को राज्य सरकार से भगदड़ पर स्थिति रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में रखने पर जोर देने के लिए सवाल किया तथा जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही को रेखांकित किया। यहां चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर चार जून को हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। इस संबंध में स्वत:संज्ञान याचिका जब कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी. कामेश्वर राव और न्यायमूर्ति सी.एम. जोशी के समक्ष सुनवाई के लिए आई, तो महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी ने कहा कि सरकार खुलासा करने से नहीं कतरा रही है, लेकिन वह जारी जांच में पूर्वाग्रह से बचना चाहती है। उन्होंने राज्य द्वारा तैयार किए गए प्रारंभिक निष्कर्षों और अंतरिम आकलन का उल्लेख करते हुए कहा, हम अगले सप्ताह दोनों रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। महाधिवक्ता ने इस बात पर जोर दिया कि रिपोर्ट में कुछ टिप्पणियां प्रारंभिक प्रकृति की हैं और यदि उन्हें समय से पहले सार्वजनिक कर दिया गया तो मीडिया द्वारा सनसनीखेज बनाया जा सकता है। पीठ ने दोहराया कि वह स्थिति रिपोर्ट को सीलबंद लिफाफे में रखने के प्रश्न पर विचार करेगी तथा उसने न्यायमित्र नियुक्त करने के अपने निर्णय की घोषणा की। इसके अलावा, अदालत ने कहा कि वह इस मामले पर निर्णय लेने से पहले न्यायमित्र से सहायता लेगी। अदालत ने जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही को स्पष्ट प्राथमिकता देने का संकेत दिया। महाधिवक्ता ने सभी रिपोर्ट उपलब्ध कराने के लिए 20 से 25 दिन का स्थगन मांगा। हालांकि, पीठ इससे सहमत नहीं दिखी। अदालत ने पूछा, इससे हमें रुकने की क्या जरूरत है?

'ठग लाइफ' का बहिष्कार करने की अपील करेंगे : कर्नाटक रक्षणा वेदिके

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कन्नड़ समर्थक संगठन कर्नाटक रक्षणा वेदिके (केआरवी) ने मंगलवार को कहा कि वह लोगों से कमल हासन अभिनीत फिल्म 'ठग लाइफ' का बहिष्कार करने की अपील करेंगे। केआरवी का यह बयान उच्चतम न्यायालय द्वारा मंगलवार को कर्नाटक सरकार को ठग लाइफ' का राज्य में प्रदर्शन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये जाने के बाद आया है। केआरवी के प्रदेश अध्यक्ष एच शिवराम गौड़ा ने कहा, कोई भी स्वाभिमानी कन्नड़ व्यक्ति यह फिल्म क्यों देखेगा, जबकि हासन, जो न तो भाषाविद हैं और न ही इतिहासकार, मूर्खतापूर्ण बातें कहते हैं जो हमारी भाषा के प्रति अपमानजनक हैं।''

केआरबी कन्नड़ समर्थक संगठनों में से एक है जो हासन से माफी की मांग कर रहा है। उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने बेंगलूरु निवासी एम. महेश रेड्डी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई की, जिसमें हासन की फिल्म 'ठग लाइफ' का प्रदर्शन सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया था। चेन्नई में 'ठग लाइफ' के एक प्रमोशन कार्यक्रम में हासन ने कहा था कि कन्नड़ भाषा तमिल से निकली है, जिसके बाद कर्नाटक में 'ठग लाइफ' पर प्रतिबंध लगाने की मांग के साथ ही विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। गौड़ा ने कहा कि वह उच्चतम न्यायालय के फैसले का सम्मान करेंगे कि फिल्मकारों और निर्माताओं को फिल्में रिलीज करने का अधिकार है, लेकिन वे (गौड़ा) कर्नाटक के लोगों से अपील करेंगे कि जब फिल्म यहां रिलीज हो तो वे व्यक्तिगत स्तर पर इसका बहिष्कार करें। कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स (केएफसीसी) के अध्यक्ष एम नरसिम्हालु ने कहा कि मुद्दा फिल्म का नहीं, बल्कि अभिनेता कमल हासन के कन्नड़ भाषा पर दिए गए बयान का है।

नरसिम्हालु ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हम उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हैं और वह जो भी कहेगा, हम उसका पालन करेंगे। लेकिन हम कन्नड़ लोगों, सरकार और कन्नड़ समर्थक संगठनों के साथ भी खड़े हैं।

युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में फंसे कर्नाटक के लोगों की सुरक्षित वापसी के लिए प्रयास जारी : सिद्दरामय्या

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को आश्वासन दिया कि विदेश में युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में फंस गए राज्य के लोगों को सुरक्षित वापस लाने के लिए प्रयास जारी हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उनकी सरकार हालात पर करीब से नजर रख रही है और प्रभावित लोगों से संपर्क में है। सिद्दरामय्या ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मैंने युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में फंसे कन्नड़ लोगों से बात की है।'' उन्होंने कहा, ''वहां हवाई अड्डे फिलहाल बंद हैं, लेकिन लोगों की उचित देखभाल की जा रही है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार केंद्रीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर रही है और स्थिति में सुधार होते ही फंसे हुए लोगों की सुरक्षित वापसी के लिए आवश्यक व्यवस्था करेगी। सिद्दरामय्या ने प्रभावित लोगों के परिवारों को आश्वासन देते हुए कहा, कल या परसों हवाई अड्डे के फिर से खुलने की संभावना है।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार मंगलवार को बेंगलूरु में विधान सौधा के सामने पर्यावरण दिवस समारोह के हिस्से के रूप में कर्नाटक प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा आयोजित मैराथन के दौरान साइकिल चलाते समय गिर गए।

ईडी ने ऐश्वर्या गौड़ा 'धोखाधड़ी' मामले में डीके सुरेश को समन भेजा

बेंगलूरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के छोटे भाई और कांग्रेस नेता डी के सुरेश को एक स्थानीय महिला के खिलाफ धन शोधन की जांच से जुड़े कथित धोखाधड़ी मामले में पूछताछ के लिए समन भेजा है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि पूर्व सांसद सुरेश को 19 जून को पेश होने और धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत बयान दर्ज कराने के लिए कहा गया है। संघीय जांच एजेंसी ने स्थानीय महिला ऐश्वर्या गौड़ा (33) और कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी के खिलाफ छापे मारने के बाद अप्रैल में महिला को गिरफ्तार किया था।

ईडी ने तब एक बयान में कहा था कि महिला ने कई ''हाई-प्रोफाइल'' नेताओं के साथ निकटता का दावा किया और लोगों को सोने, नकदी तथा बैंक में जमा राशि पर उच्च रिटर्न का वादा कर उनसे धोखाधड़ी की। ऐसा आरोप है कि उसने सुरेश के नाम का इस्तेमाल किया और अपने आप को उनकी बहन बताया। सुरेश ने बेंगलूरु पुलिस में एक शिकायत दर्ज कराते हुए कहा कि उनके नाम का ''दुरुपयोग'' किया जा रहा है।

फा. सं.एसके-22011/10/2025-कौशल
भारत सरकार/Government of India
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
Ministry of Social Justice & Empowerment
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग
Department of Empowerment of Persons with Disabilities (Divyangjan)
5वां चल, बी. विंग, पं. दीनदयाल अत्योदय भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003
5th Floor, B Wing, Pt. Deendayal Antyodaya Bhawan, CGO Complex, Lodhi Road, New Delhi - 110003

दिव्यांग छात्रों के लिए नि:शुल्क कोचिंग

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग अपने राष्ट्रीय संस्थानों (एनआई) समेकित क्षेत्रीय केन्द्रों (सीआरसी) और पैनलबद्ध केन्द्रीय/राज्य विश्वविद्यालयों के माध्यम से कार्यान्वित की जा रही 'दिव्यांग छात्रों के लिए छात्रवृत्ति योजना' के तहत नि:शुल्क कोचिंग का लाभ उठाने के लिए बेंचमार्क दिव्यांगता यानी 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाले पात्र दिव्यांग छात्रों से आवेदन आमंत्रित करता है।

2. इस पहले के उद्देश्य 8.00 लाख रुपए तक की वार्षिक आय वाले परिवारों के छात्रों को सरकारी नौकरियां के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने तथा उन्हें व्यावसायिक और तकनीकी पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने के लिए सशक्त बनाना है।

3. इस योजना के तहत प्रदान की जाने वाली सहायता इस प्रकार है।

क्रम सं.	विवरण	राशि
1.	नि:शुल्क कोचिंग	40,000 रु/- - 75,000 रु/- (पाठ्यक्रम के दिशानिर्देशों के अनुसार)
2.	वजीफा (स्टाइपेंड)/ रखरखाव भत्ता	4,000 रु/-प्रतिमाह
3.	दिव्यांगता भत्ता	2,000 रु/- प्रतिमाह
4.	पुस्तक भत्ता	5,000 रु/- (एक बारगी प्रति पाठ्यक्रम)

4.पात्रता, अनुमोदित पाठ्यक्रमों, कार्यान्वयन एजेन्सियों तथा योजना के दिशा निर्देशों के बारे में अधिक जानकारी के लिए,कृपया वेबसाइट https://depwd.gov.in/scholarship/ देखें। इससे संबंधित अधिक जानकारी या प्रश्नों के समाधान के लिए, आप ds.skillnap-depwd@gov.in के माध्यम से या टेलीफोन नम्बर 011-24369025 पर हमसे सम्पर्क कर सकते हैं।

अवर सचिव,भारत सरकार

CBC 38117/11/0004/2526

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लाट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज,
पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फोन : 080-28094182, 4541 फैक्स : 080-28094180

संशोधन-I दिनांक 17.06.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदरों से निम्नलिखित कार्यो के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित आमंत्रित की जाती हैं।

एनआईटी सं	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ ईटीएन-26 / 2025-26 दिनांक 29.05.2025
कार्य का नाम	इसरो हाउसिंग कॉलोनी, आरपीसी लेआउट और अंतरिक्ष अपार्टमेंट, मल्लेश्वरम, इस्ट्रैक, बेंगलूरु में 1सी ब्लॉक, 2सी ब्लॉक, 3सी ब्लॉक और बी-ब्लॉक में कॉमन एरिया लाइटिंग, लिफ्ट रूम लाइटिंग सर्किट के नवीनीकरण के लिए विद्युत कार्य।
निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 14.84 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा
कार्य समापन अवधि	02 (दो) माह
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	30.05.2025 को 16.00 बजे से 12.06.2025 को 16.00 तक। 25.06.2025 को 16.00 बजे तक बढ़ाया गया है ।
बोली स्पष्टीकरण	31.05.2025 को 11.00 बजे से 13.06.2025 को 16.00 तक। 26.06.2025 को 16.00 बजे तक बढ़ाया गया है ।
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	14.06.2025 को 16.00 तक। 27.06.2025 को 16.00 बजे तक बढ़ाया गया है ।
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	15.06.2025 को 16.00 तक। 28.06.2025 को 16.00 बजे तक बढ़ाया गया है ।
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	17.06.2025 को 11.00 से, 30.06.2025 को 16.00 बजे से, तक बढ़ाया गया है ।
अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	रु. 29,680.00

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देखे जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

ह/- समूह प्रमुख- सीएमजी

भाजपा द्वारा विरोध प्रदर्शन

विजयेंद्र येडीयुरप्पा, आर. अशोक, चलवाडी नारायणस्वामी और अन्य प्रमुख नेता गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्रियों और गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में विशाल विरोध प्रदर्शन करने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास भगदड़ में 11 निर्दोष लोगों की मौत से निपटने में राज्य की कांग्रेस सरकार की विफलता के कारण भाजपा ने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्रियों और गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए विशाल विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया।

यह विरोध प्रदर्शन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा, विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी के नेतृत्व में आयोजित किया गया।प्रदर्शन में विधानसभा में विपक्ष के मुख्य सचेतक दोड्डनगौड़ा एच. पाटिल, राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सी.एन. अश्वथनारायण, पूर्व उपमुख्यमंत्री और सांसद गोविंदा कारजोल, सांसद पी.सी. मोहन, विधान परिषद विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और विधायक भैरती बसवराज, पूर्व मंत्री और विधायक के. गोपालैया, विधायक एल. रविसुब्रमण्यम, उदय गरुड़चार, एस. मुनिराजू, एम. कृष्णप्पा, विधान परिषद सदस्य केशव प्रसाद, भारती शेट्टी, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक धीरज मुनिराजू, बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष और विधायक सी.के. राममूर्ति, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा, राज्य पदाधिकारी और पार्टी नेता, कार्यकर्ता शामिल हुए।

कांग्रेस पार्टी लाशों पर राजनीति करने की कला में माहिर है : रवि कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । भाजपा ने मंगलवार को उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी लाशों पर राजनीति करने की कला में माहिर है। कर्नाटक विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रवि कुमार ने यहां जारी एक बयान में कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि कांग्रेस पार्टी ने वर्ष 1985 और 1991 के संसदीय चुनावों में किस तरह से वोट मांगे और सहानुभूति लहर के आधार पर जीत हासिल की। कांग्रेस पार्टी राष्ट्रीय त्रासदियों के कारण उन चुनावों में सफल रही। कांग्रेस का इतिहास रहा है कि वह भावनाओं को भड़का कर जीत हासिल करती रही है। ङ्कङ्कअपनी ही पार्टी में उपमुख्यमंत्री की कमजोर स्थिति है। रवि कुमार ने कहा कि अगर वह इस मुद्दे पर चुप रहते हैं तो उनके लिए अच्छा होगा। रवि कुमार के अनुसार, राज्य सरकार ने खुद को इस भीषण त्रासदी के लिए दोषी ठहराने से बचाने के लिए पुलिस अधिकारियों पर दोष मढ़ने की कोशिश की है। पहले मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि राज्य सरकार ने विधान सौधा की भव्य सीढ़ियों पर कार्यक्रम आयोजित नहीं किया था। जब राजभवन से स्पष्टीकरण आया कि मुख्यमंत्री ने वास्तव में कार्यक्रम में भाग लेने के लिए राज्यपाल को बुलाया था, तो सिद्दरामय्या ने यू टर्न लिया और कहा कि उन्होंने वास्तव में राज्यपाल को आमंत्रित किया था। यह स्पष्ट है कि राज्य सरकार पुलिस अधिकारियों के साथ-साथ आरसीबी और केएससीए को दोषी ठहराकर किसी न किसी तरह से संकट से बाहर निकलने की कोशिश कर रही है। केएससीए के आयोजन में कानून और व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकार का कर्तव्य था, हालांकि कार्यक्रम आरसीबी और केएससीए द्वारा आयोजित किया गया था। इस भयावह त्रासदी में राज्य सरकार हर तरह से गलत है। रवि कुमार ने कहा, भाजपा द्वारा मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग करना सही है ।

कर्नाटक 'ठग लाइफ' की रिलीज सुनिश्चित करे

भीड़ को सड़कों पर कब्जे की अनुमति नहीं दी जा सकती : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने अभिनेता कमल हासन की फिल्म 'ठग लाइफ' को राज्य के सिनेमाघरों में प्रदर्शित नहीं किये जाने को लेकर कर्नाटक सरकार को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि भीड़ और नैतिकता के तथाकथित पहरेदारों को सड़कों पर हंगामा करने इजाज़त नहीं दी जा सकती। न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने कहा कि कानून का शासन स्थापित किया जाना चाहिए और लोगों को फिल्म देखने से रोकने के लिए उनके सिर पर बंदूक नहीं तानी जा सकती। न्यायमूर्ति भुइयां ने कर्नाटक सरकार के वकील से कहा, हम भीड़ और नैतिकता के तथाकथित पहरेदारों को सड़कों पर कब्जा करने की इजाजत नहीं दे सकते। कानून का शासन कायम रहना चाहिए। हम ऐसा नहीं होने दे सकते। अगर किसी ने कोई बयान दिया है, तो उसका जवाब बयान से दीजिए। अगर किसी ने कुछ लिखा है, तो आप उसका जवाब कुछ लिखकर दे सकते हैं। उन्होंने वकील को 18 जून तक मामले पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि भले ही फिल्म प्रदर्शित होने पर लोग इसे न देखें, लेकिन उन्हें इस डर में नहीं रखा जा सकता कि सिनेमाघर जला दिए जाएंगे।

कर्नाटक में फिल्म प्रदर्शित न किए जाने को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ता एम महेश रेड्डी की ओर से पेश हुए अधिवक्ता ए वेलम ने कहा कि राज्य ने धमकी देने वालों के खिलाफ शिकायत दर्ज नहीं की है। न्यायमूर्ति मनमोहन ने कहा, कानून के शासन के मुताबिक, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से प्रमाण पत्र प्राप्त कर चुकी कोई भी फिल्म अवश्य रिलीज होनी चाहिए और राज्य को इसकी स्क्रीनिंग सुनिश्चित करनी चाहिए। आप लोगों के सिर पर बंदूक रखकर यह नहीं कह सकते कि फिल्म मत देखो।

न्यायाधीश ने आगे कहा, ''ऐसा नहीं हो सकता कि सिनेमाघरों को जलाए जाने के डर से फिल्म न दिखाई जाए। लोग फिल्म न देखें। यह एक अलग मामला है। हम ऐसा कोई आदेश नहीं दे रहे हैं कि लोगों को फिल्म देखनी चाहिए। लेकिन फिल्म रिलीज होनी चाहिए।'' कर्नाटक का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील ने कहा कि फिल्म निर्माता द्वारा दायर याचिका पर 20 जून को उच्च न्यायालय में सुनवाई होनी है। इसके बाद पीठ ने उच्च न्यायालय में लंबित याचिका को उच्चतम न्यायालय में स्थानांतरित करने का संकेत दिया। शीर्ष अदालत ने 3 जून को उच्च न्यायालय द्वारा की गई उन टिप्पणियों की भी आलोचना की, जिसमें कमल हासन से उस बयान के लिए माफ़ी मांगने को कहा गया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि ''कन्नड़ भाषा का जन्म तमिल भाषा से हुआ है।'' न्यायमूर्ति मनमोहन ने कहा ''उनसे (हासन से) माफी के लिए कहना उच्च न्यायालय का काम नहीं है।''

न्यायाधीश ने कहा, ''यह मुद्दा कानून के शासन और मौलिक अधिकारों से जुड़ा है। इसलिए, यह न्यायालय हस्तक्षेप कर रहा है। उच्चतम न्यायालय का उद्देश्य कानून के शासन और मौलिक अधिकारों का संरक्षक होना है। यह केवल एक फिल्म के बारे में नहीं है।'' पीठ ने कहा कि यदि कमल हासन ने कुछ भी अप्रिय कहा है, तो उसे अटल सत्य नहीं माना जा सकता और कर्नाटक के प्रबुद्ध लोगों को इस पर बहस करनी चाहिए थी और कहना चाहिए था कि वह गलत थे। न्यायमूर्ति मनमोहन ने कहा, ''व्यवस्था में कुछ गड़बड़ है, एक व्यक्ति बयान देता है और उसे अंतिम सत्य मान लिया जाता है। इस मुद्दे पर बहस होनी चाहिए। लोगों को कहना चाहिए कि वह गलत हैं।''

न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा, ''बेंगलूरु के सभी प्रबुद्ध लोग बयान जारी कर सकते हैं कि वह (हासन) गलत है। धमकियों का सहारा क्यों लिया जाना चाहिए?'' कानून के शासन के महत्व को रेखांकित करते हुए, पीठ ने राज्य पर फिल्म की रिलीज सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी डाल दी।

महिला ने शरारत करने पर बेटे को गरम छड़ से दागा, हिरासत में ली गई

हुब्बल्ली। कर्नाटक के हुबबल्ली शहर में एक मां को अपने बेटे को गर्म लोहे की छड़ से जलाने के आरोप में पुलिस ने हिरासत में लिया है। महिला ने कथित रूप से बेटे के शरारती व्यवहार से नाराज होकर यह क्रूर सज़ा दी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अनुषा हुलिमारा को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस ने बताया कि यह घटना सोमवार को पुराने हुब्बल्ली के टीपू नगर में हुई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अनुशा अपने बेटे के व्यवहार से गुस्से में आ गई और उसने गर्म लोहे की छड़ से बच्चे के हाथ, पैर और गर्दन को जला दिया। बच्चे की चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और बच्चे को उसकी मां से बचाया। स्थानीय लोगों ने इस अमानवीय कृत्य को देखकर तुरंत पुलिस को सूचना दी।

विधानसभा के सभापति यू.टी. खादर फरीद अध्ययन के लिए मलेशिया पहुंचे

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा के सभापति और कॉमनवेल्थ संसदीय संघ, कर्नाटक शाखा के संयुक्त अध्यक्ष यू.टी. खादर फरीद, जो मलेशिया में अध्ययन दौरे पर हैं, ने मंगलवार को कुआलालंपुर में संसद भवन में प्रतिनिधि सभा (दीवान राक्यत) के स्पीकर और कॉमनवेल्थ संसदीय संघ, मलेशिया के संयुक्त अध्यक्ष डॉ. जोहरी बिन अब्दुल से मुलाकात की।

इस अवसर पर स्पीकर खादर फरीद ने संसदीय मामलों और लोकतांत्रिक सिद्धांतों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने कर्नाटक और मलेशिया के बीच राजनीतिक, संसदीय मामलों और सांस्कृतिक संबंधों के भविष्य पर भी चर्चा की।

सार्वजनिक नोटिस

मेसर्स **टेक ग्रीन पावर XVI प्राइवेट लिमिटेड** जिसका पंजीकृत कार्यालय दूसरी मंजिल, स्क्वायर वन माल, साकेत बिजनेस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट चौक पुष्प विहार नई दिल्ली-110017, भारत में स्थित है, भारत सरकार को विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के तहत विद्युत पारेषण के लिये विद्युत लाइनो अथवा विद्युत संयंत्र की स्थापना के लिये अथवा टेलीफोन या टेलीग्राफिक संचार के उद्देश्य से कार्यों के उचित समन्वय के लिये आवश्यक वे सभी शक्तियां प्रदान करने के लिये आवेदन करने की इच्छुक है, जो टेलीग्राफ प्राधिकरण द्वारा भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 के तहत सरकार द्वारा स्थापित किए गये या बनाए गये या स्थापित किये जाने वाले या बनाये जाने वाले टेलीग्राफ के उद्देश्य से टेलीग्राफ लाइनो और पोस्टो की स्थापना के संबंध में धारित हैं और निम्न लिखित पारेषण योजना के लिए सर्वेक्षण, निर्माण, संस्थापन, निरीक्षण, उत्थापन और अन्य कार्य के पश्चात प्रचालनारंभ, प्रचालन, अनुरक्षण करेगी:

ट्रांसमिशन योजना का नाम: प्रस्तावित 220 केवी डी/सी टावर और एस/सी लाइन हेतु कनेक्टिविटी सिस्टम, पीएसएस-2 गुडिहाल गांव से पीएसएस-1 मालगलदिन्नी, मुद्देविहाल तालुक, विजयपुरा जिला तक और पीएसएस-2 से प्रस्तावित 400/220 केवी रिसीविंग स्टेशन (पीजी सीआईएल) के पास कोरावर गांव, तालिकोटी तालुका, विजवपुरा जिला तक प्रस्तावित 220 केवी डी/सी लाइन ।

योजना के तहत कवर की गई ट्रांसमिशन लाइन: टेक ग्रीन पावर XVI प्राइवेट लिमिटेड जनरेशन पूलिंग स्टेशन 220 केवी डी/सी टावर और एस/सी लाइन प्रस्तावित वे, पीएसएस-2 गुडिहाल गाँव से पीएसएस-1 मालगलडिन्नी, विजयपुरा जिले के मुद्देविहाल तालुका तक और जनरेशन पूलिंग स्टेशन 220 केवी डी /सी लाइन, पीएसएस -02 कामन पाइंट (डी/सी टावर) से प्रस्तावित 400/220 केवी रिसीविंग स्टेशन (पीजीसीआईएल) कोरावर गाँव के पास, तालिकोटी तालुका, विजयपुरा जिले तक। लाइन की लंबाई लगभग 55 किमी है। कोरावर गांव, तालिकोटी तालुका, जिला- विजयपुरा के निकट से 2 किमी (लगभग) लाइन को एम/सी टावरों पर एस/ सी लाइन के रूप में क्रियान्वित की जाएगी।

उपर्युक्त योजना के तहत कवर की गई ओवरहेड ट्रांसमिशन लाइन निम्नलिखित गांवों, कस्बों और शहरो के ऊपर, आस-पास और बीच से होकर गुजरेगी।

जिला	तालुका	गांवों के नाम
विजयपुरा	मुद्देविहाल	तरनाल (तारानाल), चौंडी , जंगा मुरल (जंगामुराला), बुदिहाल (बुदिहाला), अब्बीहाल (अब्बिहाला), कुंतोगी, हीरेमुरल (हीरे मुराला), अरे मुरल (अरेमुराला) कवडिमट्टी (कावडीमट्टी), होकरनी, गुडिहाल (गुडिहाला), वनकिहाल (वनकिहाला), जलापुर (जलापुरा), बालवट (बालावटा), मडिके सिरुर (मडिके श्वरा), धवलगी (दवलागी), इंगलागेरी (इंग्लागेरी), जम्बालदिन्नी (जम्बालादिन्नी), मलकापुर, मालागल्दिन्नी (मालागालडिन्नी), नादाहल्ली, हल्लूर (हल्लूरा), हुलगबल (हुलागबाला), वनाहाल्ली (वनकिहाला)
विजयपुरा	तालिकोटी	पदेकनूर (पाडेकनुरा), कोन्नुर (कोन्नुरा), सोमनल (सोमनहाला)
विजयपुरा	वसावन बागेवाड़ी (बसावन बागेवाड़ी)	वड़वडागी, नंदीहाल (नंदीहाला), हुलबेंची (हुलीबेंची), नागराहालहुली (नागराला हुली), सिंदगेरी (सिन्धागेरी)
विजयपुरा	देवरा हिप्पारागी	कड़कोल (कडकोला), यालवर (यलवारा), कोरावर (कोरावरा), बुधिहालदोन (बुढिहलदोनी) कोंडागुली (कोंडागोली), वरकनल्ली, नागराल्डन (नागराला डोनी), भैरवादगी (बैरवाडागी), जलावड़ (जलावाड़ा), इब्राहिमपुर (इब्राहिमपुरा), गुलवल
विजयपुरा	निदागुंडी	गोनल (गोनाला)

रूट सर्वेक्षण की एक प्रति अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपलब्ध है। सर्वसाधारण को इस नोटिस के प्रकाशन की तिथि के दो आाह के भीतर प्रस्तावित पारेषण प्रणाली के संबध में टिप्पणी /प्रतिवेदन लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत करने के लिए सूचित किया जाता है।

अधिक जानकारी और स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करे। नाम - विनीत कुमार सिंह, पद वीपी (ट्रांसमिशन), टेक ग्रीन पावर XVI प्राइवेट लिमिटेड, दूसरी मंजिल, स्क्वायर वन माल, साकेत बिजनेस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट चौक, पुष्प विहार, नई दिल्ली-110017 भारत, ईमेल:- vineet.singh@o2power.in, फोन :- 8744000834

केदारनाथ हेलीकॉप्टर दुर्घटना में जान गंवाने वाले पायलट की अंत्येष्टि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केदारनाथ हेलीकॉप्टर हादसे में जान गंवाने वाले पायलट सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट कर्नल राजवीर सिंह चौहान का मंगलवार को जयपुर में अंतिम संस्कार किया गया। चौहान की अंतिम यात्रा में परिजन व मित्रों के साथ साथ बड़ी संख्या में अधिकारी व स्थानीय लोग शामिल हुए। उनकी पत्नी लेफ्टिनेंट कर्नल दीपिका सेना की वर्दी में थीं और अपने पति की तस्वीर को सीने से लगाए अंतिम यात्रा में आगे चल रही थीं। लोगों ने राजवीर सिंह अमर रहें के नारे लगाए। चौहान के पार्थिव शरीर को शास्त्री नगर स्थित उनके आवास के बाहर रखा गया, जहां उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गई। सैनिक कल्याण मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ भी उनके आवास पर पहुंचे और पुष्पांजलि अर्पित की। चौहान ने 15 साल से अधिक समय तक भारतीय सेना में सेवा की। वह अक्टूबर 2024 से आर्यन एविएशन में पायलट के तौर पर काम कर रहे थे। चौहान (37) उस बेल-407 हेलीकॉप्टर के कैप्टन थे जो रविवार सुबह उत्तराखंड के गौरीकुंड के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में उनके अलावा छह और लोगों की मौत हो गई।

सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत

श्रीगंगानगर। राजस्थान में श्रीगंगानगर गोलूवाला थाना क्षेत्र में सोमवार को देर रात एक कार के ट्रैक्टर ट्रॉली के पीछे टकराने से कार में सवार तीन युवकों की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि कार में तीन युवक विजय मेघवाल (22), रमेश मेघवाल (20) और राजकुमार स्वामी (25) सूरतगढ़ से गणेशगढ़ जा रहे थे कि रात करीब 10 बजे श्रीगंगानगर - सूरतगढ़ मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग 62 पर कैंचियां से आगे चेक 35-एमओडी के पास कार आगे जा रहे ट्रैक्टर ट्रॉली से पीछे से टकरा गई। इससे विजय और रमेश की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि राजकुमार गंभीर रूप से घायल हो गया।

बागड़े ने संजय शर्मा संग्रहालय एवं शोध संस्थान का किया अवलोकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने भारत को ज्ञान विज्ञान में विश्वभर में अग्रणी बताते हुए नई पीढ़ी को अतीत की धरोहर से जुड़े संग्रहालयों से जोड़कर प्राचीन ज्ञान की आधुनिकी के लिए कार्य करने का आह्वान किया है। बागड़े ने मंगलवार को संजय शर्मा संग्रहालय एवं शोध संस्थान के अवलोकन के दौरान यह आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विदेशी आक्रांताओं ने हमारी धरोहर को अपनाकर उसे निरंतर अपना बताया हैं। उन्होंने संग्रहालय में प्राचीन भारत के ज्ञान विज्ञान और आविष्कारों से जुड़ी दुर्लभ वस्तुओं का अवलोकन किया और कहा कि यह सब भारत के विश्वगुरु होने का प्रमाण है। राज्यपाल ने संग्रहालय में कागजों के निर्माण से लेकर समय गणना के यंत्रों, कलाकृतियों और विज्ञान से जुड़े संदर्भों का भी अवलोकन किया। उन्होंने वहां संग्रहित पुरा वस्तुओं, कलाकृतियों और प्राचीन इतिहास और ज्ञान विज्ञान से जुड़ी दुर्लभ पांडुलिपियों का विशेष रूप से अवलोकन किया। उन्होंने संग्रहालय में भारत के विभिन्न प्रांतों से जुड़ी संस्कृति, धरोहर और प्राचीन वस्तुओं के इस संग्रह को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि निजी स्तर पर किया यह प्रयास सराहनीय है। राज्यपाल ने प्राचीन अंक गणना, ज्योतिष, खगोलीय गणना और पंचाग से जुड़े समय सिद्धांतों की दुर्लभ कलाकृतियां, प्राचीन यंत्रों और देश के विभिन्न भागों के कला स्कूलों की कला कृतियों का बारीकी से अवलोकन किया। इतिहास से जुड़े महत्वपूर्ण संदर्भों के कलात्मक संग्रह को उन्होंने राज्य की अनुपम धरोहर बताया। उन्होंने कहा कि संग्रहालय इतिहास की वह खिड़की है, जिससे अतीत को जान समझ कर भविष्य की राह बनाई जाती है।

फोन टैपिंग पर नैतिक अधिकार खो चुकी है कांग्रेस : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा है कि वह उनकी गहलोत सरकार के दौरान जो फोन टैपिंग हुई थी, उसके खुलासे खुद मुख्यमंत्री के तत्कालीन ओएसडी ने किए थे, इसलिए कांग्रेस फोन टैपिंग मामले पर बोलने का अपना नैतिक अधिकार खो चुकी है। शेखावत ने मंगलवार को यहां अपने निवास पर मीडिया से बात करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार के मंत्री, विधायक और उपमुख्यमंत्री खुद उन पर टिप्पणी करते थे, इसलिए दूसरों पर आरोप लगाने से अच्छा है कि पहले कांग्रेस को स्वयं अपने भीतर झांकना चाहिए। जातीय जनगणना पर कांग्रेस द्वारा दी गई प्रतिक्रिया पर शेखावत ने कहा कि जब कोई विषय समझ में न आए या जानबूझकर न समझा जाए तो उस नासमझी पर प्रतिक्रिया देने के बजाय कभी-कभी विनोद कर लेना ज्यादा बेहतर होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सामूहिक निर्णय लेने वाली पार्टी है जो परिवार भाव से काम करती है। उन्होंने साइप्रस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिले अंतरराष्ट्रीय सम्मान पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि यह न केवल प्रधानमंत्री का बल्कि पूरे भारतवर्ष का सम्मान है, जो हम सभी भारतीयों के लिए गौरव का विषय है। प्रधानमंत्री ने विश्व के हर कोने में जाकर भारत की कूटनीतिक ताकत को बढ़ाया है, जो देश के 140 करोड़ जनता का सम्मान है। शेखावत ने कहा कि जो लोग भारत का विरोध कर रहे हैं, उरी, पुलवामा और पहलगाम के बाद जिस तरह भारत ने दुनिया को अपनी ताकत दिखाई है, उससे उनके हौसले पस्त हैं, इसलिए ऐसे लोग भारत का विरोध करने का कोई मौका नहीं चूक रहे हैं लेकिन इससे भारत पर कोई फर्क नहीं पड़ता। उल्लेखनीय है कि डोटासरा ने कहा था कि प्रदेश के मुख्यमंत्री और मंत्री फोन पर बात करने से कतराते हैं क्योंकि उन्हें आशंका है कि उनका फोन दिल्ली वाले सुनते हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल राठी ने कोणार्क कोर की संभाली कमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लेफ्टिनेंट जनरल एवीएस राठी (सेना मेडल, विशिष्ट सेवा मेडल) ने मंगलवार को कोणार्क कोर के 28वें जनरल ऑफिसर कमांडिंग के रूप में कोर की कमान संभाली। राजस्थान में सेना के जन सम्पर्क अधिकारी ले. कर्नल निखिल धवन ने बताया कि ले.जनरल राठी ने लेफ्टिनेंट जनरल मोहित मल्होत्रा (अति विशिष्ट सेवा मेडल, सेना मेडल) से कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने बताया कि लेफ्टिनेंट जनरल एवीएस राठी राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और भारतीय सैन्य अकादमी के पूर्व छात्र हैं।

उन्होंने अपने 34 वर्ष के सेवा करियर के दौरान प्रतिष्ठित कमांड और स्टाफ नियुक्तियाँ संभाली हैं। उन्हें भारत और विदेशों में विभिन्न क्षेत्रों में सेवा करने का गौरव प्राप्त है। उन्होंने सभी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। ले.कर्नल धवन ने बताया कि कोणार्क कोर की कमान संभालने के अवसर पर ले.जनरल राठी ने जोधपुर युद्ध स्मारक पर अपने कर्तव्य के दौरान वीरता दिखाने वाले वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की और सभी रैंकों से जोश तथा उत्साह के साथ पेशेवर उत्कृष्टता की दिशा में काम करते रहने का आह्वान भी किया।

मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत के लिए प्रयासरत है : सुमेधानंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बारा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश हर क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए विकसित भारत के लिए प्रयासरत है और वर्ष 2047 में विकसित भारत निर्माण के लिए हमें सहयोगात्मक भूमिका निभानी चाहिए। स्वामी सुमेधानंद सरस्वती 'संकल्प से सिद्धि' तक केंद्र में भाजपा सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में शिरकत करने के बाद मंगलवार को पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मोदी ने आर्थिक, सुरक्षा, चिकित्सा, शिक्षा सहित हर क्षेत्र में उपलब्धियां विकसित भारत के लिए अर्जित की हैं, जबकि कांग्रेस शासन में हर समय घोटाले सामने आते थे।

देश की आर्थिक स्थिति कांग्रेस शासन में दयनीय हो गयी थी, लेकिन मोदी के प्रयासों से इसमें व्यापक सुधार हुआ है। स्वामी सुमेधानंद ने कहा कि कोई देश जब आगे बढ़ता है, तो पहली आवश्यकता आर्थिक संसाधन जुटाने की होती है। देश लगातार आर्थिक रूप से मजबूत हो रहा है। विश्व में भारत की विशेष पहचान बनी है। उन्होंने कहा कि आतंकवादी हमले का बदला लेते हुए ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के आतंकवादी और सैन्य ठिकानों को ध्वस्त किया गया। इससे पहले स्वामी सुमेधानंद ने जिले में आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया और केंद्र सरकार के 11 वर्ष के कार्यकाल में उपलब्धियों की प्रदर्शनी का उद्घाटन करके प्रबुद्धजनों के साथ संगोष्ठी की।

राजस्थान के दक्षिणी भागों में अगले एक-दो दिन में आ सकता है मानसून, गर्मी से मिलेगी राहत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भीषण गर्मी से तप रहे राजस्थानवासियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, जयपुर के अनुसार राज्य के दक्षिणी भागों में अगले 1-2 दिनों में मानसून का प्रवेश होने की प्रबल संभावना है। इससे जहां प्रदेशवासियों को गर्मी से राहत मिलेगी वहीं किसानों के लिए भी यह बारिश उम्मीद की नई किरण साबित होगी। मौसम विभाग ने बताया कि आज (17 जून) को दक्षिण-पश्चिम मानसून गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड के कुछ हिस्सों तथा ओडिशा और पश्चिम बंगाल के शेष भागों में आगे बढ़ गया है। इसके साथ ही, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और आसपास के क्षेत्रों में एक परिसंचरण तंत्र बना हुआ है, और एक पश्चिमी विक्षोभ भी सक्रिय है, जो राज्य में मौसम में बदलाव ला रहा है।

मौसम विभाग ने आगामी दिनों में राज्य के कुछ भागों में मेघगर्जन, आकाशीय बिजली चमकने के साथ हल्की से मध्यम बारिश की गतिविधियों के जारी रहने की संभावना जताई है। विशेष रूप से, आगामी 4-5 दिनों में उदयपुर, कोटा संभाग और उसके आसपास के क्षेत्रों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। मानसून के आगे बढ़ने के क्रम में आगामी दिनों में मेघगर्जन के साथ कहीं-कहीं वज्रपात होने की भी प्रबल संभावना है। पूर्वी राजस्थान के साथ-साथ पश्चिमी राजस्थान के कुछ भागों में भी 21 से 23 जून के दौरान बारिश की गतिविधियों में और बढ़ोतरी होने की संभावना है। आंधी-बारिश के असर से आगामी 48 घंटों में अधिकतम तापमान में 3-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने तथा हीटवेव से राहत मिलने की संभावना है।

मौसम विभाग ने बताया है कि बंगाल की खाड़ी पर एक निम्न दबाव क्षेत्र बना हुआ है, और इसके आगामी 24 घंटों के दौरान धीरे-धीरे पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़कर और अधिक स्पष्ट होने की संभावना है। एक अन्य कम दबाव का क्षेत्र भी गुजरात और आसपास के इलाकों पर बना हुआ है, जिसके अगले 24 घंटों में उत्तर की ओर (दक्षिणी राजस्थान की ओर) बढ़ने की संभावना है। यह मौसमी बदलाव भीषण गर्मी से जूझ रहे प्रदेशवासियों के लिए बड़ी राहत लेकर आएगा। किसानों को भी अपनी खरीफ फसलों की बुवाई के लिए अनुकूल परिस्थितियां मिलने की उम्मीद है। हालांकि, आंधी और वज्रपात के दौरान सभी को सुरक्षित स्थानों पर रहने और सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है।

भजनलाल का चिनाब नदी बेसिन से जुड़ी तीन बड़ी जल परियोजनाओं को जल्द लागू करने का केन्द्र से आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्र सरकार से चिनाब नदी बेसिन से जुड़ी तीन बड़ी जल परियोजनाओं को जल्द लागू करने का आग्रह किया हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार शर्मा ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल को एक पत्र लिखकर यह अनुरोध किया है। इन प्रस्तावों से चिनाब जैसी हिमालय से निकलने वाली नदियों का अतिरिक्त पानी अब ब्यास, रावी और उज्ह जैसी पूर्व की ओर बहने वाली नदियों में लाया जा सकेगा। इससे उत्तर भारत के कई राज्यों के साथ राजस्थान को भी बड़ा फायदा होगा। मुख्यमंत्री ने पत्र लिखा राजस्थान को करीब 1.0 मिलियन एकड़ फीट (एमएएफ) पीने के पानी के लिए, 1.0 एमएएफ सिंचाई के लिए और 0.2 एमएएफ औद्योगिक जरूरतों के लिए पानी की जरूरत है।

साथ ही राजस्थान के पास पहले से मौजूद प्राकृतिक झीलों और जलाशयों में 1.0 एमएएफ पानी जमा करने की भी क्षमता है। इन तीन मुख्य योजनाओं से ब्यास और सतलुज नदी में अतिरिक्त पानी पहुंचेगा, जिससे हरियाणा, पंजाब, दिल्ली के साथ राजस्थान को भी फायदा मिलेगा।

इंदिरा गांधी नहर को और ज्यादा पानी मिल सकेगा, जिससे पश्चिमी राजस्थान की बड़ी आबादी को सिंचाई और पीने के लिए राहत मिलेगी एवं औद्योगिक क्षेत्रों को जल आपूर्ति आसान होगी, जिससे नए निवेश और रोजगार के रास्ते खुलेंगे। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से इन योजनाओं को जल्द लागू करने का आग्रह किया और कहा कि यह कदम राजस्थान के भविष्य के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान में अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करें : नागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश के ऊर्जा एवं जिला प्रभारी मंत्री टोंक हीरालाल नागर ने जिला परिषद सभागार में विद्युत, पेयजल, चिकित्सा और मानसून के आगमन से पूर्व आपदा प्रबंधन संबंधी तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक ली। साथ ही, वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

प्रभारी मंत्री नागर ने सभी संबंधित अधिकारियों को वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का जिले में प्रभावी एवं सफल क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस अभियान की प्रगति एवं आगामी कार्य योजना की समीक्षा कर अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। नागर ने प्राचीन जल संरचनाओं की साफ-सफाई एवं जीर्णोद्धार करने के साथ आमजन में पर्यावरण संरक्षण एवं जल संचयन की जन जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान एवं हरियालों राजस्थान में अधिकाधिक पौधारोपण करने के साथ उनके जीवित रहने के लिए प्रभावी उपाय करने के निर्देश दिए। साथ ही, जल संरक्षण की शपथ दिलाई।

ऊर्जा मंत्री ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को जिले में सतत विद्युत आपूर्ति और विद्युत तंत्र का सुदृढ़ीकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी को देखते हुए किसी कारण से विद्युत आपूर्ति बाधित होने पर अधिकारी एवं कार्मिक उपभोक्ताओं के फोन रिसीव कर संतोषप्रद जवाब दें। जनप्रतिनिधियों के फोन नहीं उठाने पर टोंक सहायक अभियंता को कार्यप्रणाली में सुधार लाने के निर्देश दिए। साथ ही, घरेलू विद्युत कनेक्शन में अनावश्यक देरी की शिकायत मिलने पर देवली सर्किल के अधिशाषी अभियंता को चार्जशीट देने के लिए अधीक्षण अभियंता को निर्देश दिए।

नागर ने अधीक्षण अभियंता के.एल. पटेल को घरेलू एवं कृषि कनेक्शन जारी करने की स्थिति, विद्युत संबंधी शिकायतों के लिए डिस्कॉम स्तर संचालित कंट्रोल रूम और एफआरटी की कार्यवाही, आरडीएसएस, स्मार्ट मीटर योजना, विद्युत आपूर्ति को सुचारू रूप से बनाये रखने के लिए पूर्ण कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। चिकित्सा विभाग की समीक्षा के दौरान प्रभारी मंत्री को नासिरदा सीएचसी में चिकित्सक नहीं होने की जानकारी मिलने पर मौके पर ही चिकित्सा विभाग जयपुर के उच्चाधिकारियों से दूरभाष पर बात कर चिकित्सक लगाने के निर्देश दिए।

एकमुश्त समझौता योजना से मिल रहा किसानों को संबल : दक

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा भूमि विकास बैंकों के अवधिपार ऋणियों के लिए लागू की गई मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना 2025-26 के प्रति किसानों एवं लघु उद्यमियों में उत्साह नजर आ रहा है। योजना का लाभ प्राप्त कर ऋणी किसानों का जीवन बदल रहा है और वे फिर से मुख्यधारा में लौट रहे हैं। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत अब तक 3,410 ऋणी सदस्यों द्वारा 33 करोड़ रुपये मूलधन जमा करवाया जा चुका है।

पूजा

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े मंगलवार को बिड़ला मंदिर पहुंचे। उन्होंने वहां लक्ष्मी नारायण की विधिवत पूजा और आरती में भाग लिया। राज्यपाल ने लक्ष्मी नारायण से राज्य की सुख, समृद्धि और सबके मंगल की कामना की।

राज्यवर्धन राठौड़ ने सुनीं जनसमस्याएं

जयपुर। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री और झोटवाड़ा से भाजपा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने आज स्थानीय ग्रामीणों, महिलाओं, युवा प्रतिनिधियों और व्यापारिक समुदाय के साथ 'जनसंवाद' कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान उन्होंने जनता की समस्याओं को सुना और उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। संवाद के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, सड़क निर्माण, जल आपूर्ति, युवाओं के रोजगार और महिला सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा हुई। कर्नल राठौड़ ने जनता द्वारा उठाए गए हर मुद्दे को गंभीरता से लिया और अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनका प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए।

त्रिपुरा के विपक्ष के नेता का 'व्यक्ति जितना लंबा होता है, उतना मूर्ख होता है' संबंधी बयान से विवाद

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा विधानसभा में विपक्ष के नेता जितेन्द्र चौधरी के व्यक्ति जितना लंबा होता है, वह उतना ही मूर्ख होता है बयान से विवाद खड़ा हो गया है। सत्तारूढ़ भाजपा ने उनसे सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की और दावा किया कि यह पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब पर कटाक्ष था।

देब अपने कार्यकाल के दौरान अपनी टिप्पणियों के कारण कई बार विवादों में रहे। छह फुट लंबे देब प्रदेश के अन्य राजनेताओं से लंबे हैं। रविवार को दक्षिणी त्रिपुरा के हरिना में पार्टी के एक समारोह को संबोधित करते हुए चौधरी ने कहा, कोई व्यक्ति जितना लंबा होता है, वह उतना ही मूर्ख होता है। चौधरी माकपा के राज्य सचिव और पोलित ब्यूरो सदस्य भी हैं। उनकी टिप्पणी को भाजपा पश्चिमी त्रिपुरा के सांसद देब पर कटाक्ष के रूप में देख रही है। वह 2018 से मई 2022 तक मुख्यमंत्री थे। त्रिपुरा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री रतन लाल नाथ ने मंगलवार को देब और अन्य भाजपा नेताओं के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए चौधरी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए नाथ ने कहा, जिस तरह से विपक्ष के नेता जितेंद्र चौधरी ने रविवार को दक्षिण त्रिपुरा में एक पार्टी कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब की ऊंचाई को लेकर उनपर निशाना साधा, वह अस्वीकार्य और आपत्तिजनक है।

टाटा पावर ने ओडिशा में शुरू किया 'घर-घर सोलर' अभियान

भुवनेश्वर/भाषा। टाटा पावर की पूर्ण अनुषंगी कंपनी टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) ने 'घर घर सोलर' अभियान के तहत ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में किफायती 'रूफटॉप सोलर' समाधान पेश करने की मंगलवार को घोषणा की। इस अभियान के तहत कंपनी ने अगले तीन से पांच साल में छतों पर ओडिशा में तीन लाख और देश भर में 10 लाख सौर ऊर्जा प्रणाली लगाने का लक्ष्य रखा है।

टीपीआरईएल के बयान के अनुसार, उसका सुलभ, उपभोक्ता-केंद्रित वित्तपोषण मॉडल ओडिशा की आबादी के व्यापक वर्ग के लिए छतों पर लगने वाली सौर प्रणाली (रूफटॉप सोलर) को सस्ता बनाता है। लोग एक किलोवाट के लिए 2,499 रुपए, दो किलोवाट के लिए 4,999 रुपए और तीन किलोवाट के लिए 7,999 रुपए से शुरू होने वाले न्यूनतम शुरुआती निवेश के साथ इस प्रणाली को लगा सकते हैं। कंपनी ने कहा कि उसने राज्य में छतों पर सौर ऊर्जा प्रणाली लगाने को लेकर ओडिशा नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (ओआरईडीए) के साथ गठजोड़ किया। बयान के अनुसार, यह पहल घरों के लिए सौर ऊर्जा को आकांक्षा से एक आर्थिक रूप से व्यवहारिक विकल्प में बदल रही है।

असम के कछार में भारत-बांग्लादेश सीमा पर आवाजाही पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए

सिलचर (असम)/भाषा। चरमपंथी तत्वों की संभावित आवाजाही को विफल करने और वस्तुओं एवं मवेशियों के अनधिकृत परिवहन को रोकने के लिए असम के कछार जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर मंगलवार को कड़े प्रतिबंध लगाए गए। आधिकारिक बयान से यह जानकारी मिली। जिला आयुक्त मृदुल यादव ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत प्रतिबंध लगाए हैं। बयान में कहा गया है कि यह आदेश ''जिले में शांति को बाधित करने और कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा करने के इरादे से चरमपंथी तत्वों की संभावित आवाजाही का संकेत देने वाली रिपोर्ट सामने आने के मद्देनजर और साथ ही सीमा से सटे क्षेत्रों के रास्ते वस्तुओं एवं मवेशियों के अनधिकृत परिवहन को रोकने के लिए'' जारी किया गया है। तत्काल प्रभाव से लागू होने वाले इस आदेश में जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के साथ एक किलोमीटर के क्षेत्र में सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच व्यक्तियों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

हताशा में कांग्रेस जनगणना 2027 के बारे में 'झूठा' प्रचार कर रही : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस 2027 की जनगणना पर झूठा और भ्रामक प्रचार कर रही है क्योंकि समाज में विभाजन पैदा करके सत्ता हासिल करने की उसकी उम्मीद नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की राष्ट्रव्यापी कवायद में जातिगत गणना को शामिल करने के फैसले से ध्वस्त हो रही है।

कांग्रेस ने 16वीं जनगणना पर सरकार की अधिसूचना को 'खोदा पहाड़ निकली चुहिया' करार देते हुए सोमवार को कहा कि सरकार इस प्रक्रिया में जाति को शामिल करने के मुद्दे पर कुछ नहीं कह रही है। साथ ही, कांग्रेस ने पूछा कि क्या यह सरकार अपने रुख से पलट गयी है? राजपत्र अधिसूचना में जातिगत गणना का कोई उल्लेख नहीं होने के बारे में कुछ भ्रामक सूचनाएं फैलाए जाने पर गृह मंत्रालय ने बाद में जोर देकर कहा कि 2027 की जनगणना में जाति गणना शामिल की जाएगी।

झूठे दावों के साथ लोगों को गुमराह करने के लिए कांग्रेस की आलोचना करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि इस तरह के ओछे कृत्य का सहारा लेकर विपक्षी पार्टी का मुख्य उद्देश्य समाज में भ्रम पैदा करना और सत्ता हासिल करना है। उन्होंने यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा कि चूंकि कांग्रेस को अपना उद्देश्य पूरा होता नहीं दिख रहा है, इसलिए वह मिथ्या बातें, छल और झूठ फैलाने पर उतर आई है।

त्रिवेदी ने कहा कि सरकार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि जनगणना के साथ-साथ सामाजिक-आर्थिक मूल्यांकन और जाति जनगणना भी कराई जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया, कांग्रेस की दृष्टि संकीर्ण और सीमित है, बल्कि कहना चाहिए कि उनकी सोच एक दुर्भावनापूर्ण एजेंडे से प्रेरित है। इसी कारण वे मोदी सरकार द्वारा जनगणना कराने के फैसले में जो स्पष्ट रूप से बताया गया है, उसे देखने में असमर्थ हैं। राज्यसभा सदस्य ने कहा कि वे पूरी तरह से झूठा और भ्रामक प्रचार कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि उनकी उम्मीदें पूरी नहीं हो रही हैं। त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा जाति के नाम पर वोट बैंक की राजनीति की है लेकिन पिछड़े समुदायों के लिए कुछ नहीं किया।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना के जिम्मेदार लोगों को इस्तीफा देना चाहिए : अखिलेश यादव

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि अहमदाबाद में हुई एअर इंडिया विमान दुर्घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को अपना इस्तीफा दे देना चाहिए।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने लखनऊ में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, '' अहमदाबाद में जो दुर्घटना हुई, उसके बारे में सोचिए, अभी तक किसी ने इस्तीफा नहीं दिया है। जरा सोचिए क्या हुआ -- एक पल वे जीवित थे, अगले ही पल वे नहीं रहे। कुछ ही सेकंड में लोगों की जान चली गई। और जहां विमान गिरा, कौन जानता है कि कितने डॉक्टरों, उनके परिवार के सदस्यों ने अपनी जान गंवाई, उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को खो दिया?'' अखिलेश ने कहा, '' हम पुलवामा में इस्तीफा नहीं मांग रहे थे, हम पहलगाम में इस्तीफा नहीं मांग रहे थे। लेकिन, कम से कम सरकार और इस विमान दुर्घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को अपने पदों से इस्तीफा दे देना चाहिए।''

त्रिपुरा के आदिवासियों ने आम, अनानास के उत्पादन में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है : विकास देबबर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के आदिवासी कल्याण मंत्री विकास देबबर्मा ने कहा कि पूर्वोत्तर राज्य के आदिवासियों ने आम और अनानास के उत्पादन में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने यहां राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा आयोजित दो दिवसीय अनानास और आम महोत्सव का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, ''त्रिपुरा में आदिवासियों द्वारा अनानास और आम का उत्पादन देखकर मैं चकित रह गया। यहां की भूमि उपजाऊ है और यहां लगभग सभी बागवानी उत्पाद प्रचुर मात्रा में उगाए जाते हैं। हमारे पास अपने प्राकृतिक संसाधनों को विकसित करने की पर्याप्त गुंजाइश है।''

अपने उत्पादों का प्रदर्शन करने के लिए सैकड़ों आदिवासी आम और अनानास लेकर महोत्सव स्थल पर पहुंचे। अगरतला से लगभग 130 किलोमीटर दूर धलाई जिले में गंडचरा उपखंड, दुर्लभ और महंगी मियाजकी किस्म सहित आम की खेती के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में तेजी से पहचान बना रहा है। अधिकारियों ने कहा कि धलाई ने अपनी उद्य फल उपज के कारण त्रिपुरा के 'फल जिले' का खिताब अर्जित किया है। वर्तमान में, धलाई में 1,386 हेक्टेयर रकबे में आम की खेती की जाती है, जिससे लगभग 7,055 टन की वार्षिक उपज होती है। अधिकारियों ने कहा कि वर्तमान में त्रिपुरा में 10,357 हेक्टेयर क्षेत्रफल में आम की खेती की जा रही है, जिससे प्रति हेक्टेयर औसतन छह टन उपज की प्राप्ति होती है। यहां आम्रपाली, हिमसागर, अंबिका, अरुणिका और उद्य मूल्य वाली मियाजकी जैसी पारंपरिक और विदेशी किस्में उगाई जा रही हैं। इस बीच, केंद्र सरकार त्रिपुरा की 'क्रीन' किस्म के अनानास की वैश्विक उपस्थिति को बढ़ावा देने के लिए 132.62 करोड़ रुपए की परियोजना का समर्थन कर रही है।

सीतारमण ने लद्दाख में एनएलएसटी परियोजना स्थल का किया दौरा

युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लेह/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में पैंगोंग झील के पास राष्ट्रीय वृहद सौर दूरबीन (एनएलएसटी) परियोजना स्थल का दौरा किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र के चार दिवसीय दौरे पर आईं सीतारमण ने चुशुल गांव में 'रेजांग ला' युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और देश की सेवा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

एनएलएसटी परियोजना का लक्ष्य लद्दाख में पैंगोंग त्सो झील के पास लगभग 4,200 मीटर की ऊंचाई पर दो मीटर श्रेणी का 'ऑप्टिकल' और इन्फ्रारेड (आईआर) दूरबीन का निर्माण करना है। इसका प्राथमिक लक्ष्य सौर वायुमंडल का उद्य-स्तरीय अध्ययन करना है, जिसमें चुंबकीय क्षेत्र, सौर गतिविधि और हेलियोसिस्मोलॉजी (सूर्य की अंदरूनी संरचना को समझने के लिए सौर दोलन का अध्ययन) को समझने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय मंत्री को मेराक में एनएलएसटी परियोजना स्थल के दौरे के दौरान भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (आईआईए) के निदेशक प्रोफेसर अन्नपूर्णी सुब्रमण्यम ने परियोजना के बारे में जानकारी दी।

अपनी यात्रा के तीसरे दिन सीतारमण ने लद्दाख के चांगथांग क्षेत्र में 'हान्ले डार्क स्काई रिजर्व' में एक 'मिनी प्लेनेटेरियम और एस्ट्रो ग्लोब' की आधारशिला रखी। हान्ले स्थित भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के 'मेजर एटमॉस्फेरिक चेरेनकोव एक्सपेरिमेंट (एमएसीई) टेलीस्कोप ' केंद्र में बीएआरसी के खगोलभौतिकी विज्ञान प्रभाग प्रोफेसर सुब्रमण्यम और के के यादव ने दूरबीन की वर्तमान उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर प्रस्तुति दी। आईआईए और स्थानीय समुदाय के प्रयासों की सराहना करते हुए मंत्री ने कहा, ''यह परियोजना वैज्ञानिक और सार्वजनिक समुदाय के बीच सहयोगात्मक भावना का प्रतीक है, जो वास्तव में राष्ट्रीय गौरव का विषय है।''

अधिकारियों ने बताया कि सीतारमण ने चुशुल गांव का भी दौरा किया और 'रेजांग ला' युद्ध स्मारक पर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की तथा उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस युद्ध स्मारक का निर्माण 1963 में चुशुल के मैदानों में 15,000 फुट से अधिक की ऊंचाई पर, सीमा पर 13 कुमाऊं रेजिमेंट की चार्ली कंपनी के सैनिकों के सम्मान में किया गया था, जिन्होंने 18 नवंबर, 1962 को पूर्वी लद्दाख में कैलाश पर्वतमाला पर रेजांग ला और आसपास के क्षेत्रों की रक्षा की थी।

खरगे ने एचएयू के प्रदर्शनरत विद्यार्थियों से की बातचीत, संसद में मुद्दा उठाने का दिया आश्वासन

चंडीगढ़/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कथित हमले के विरुद्ध प्रदर्शन कर रहे हिसार स्थित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के विद्यार्थियों का मंगलवार को समर्थन किया। इन विद्यार्थियों का कहना है कि छात्रवृत्ति नियमों में बदलाव को वापस लेने की मांग को लेकर जब वे धरना दे रहे थे तब सुरक्षा गार्डों ने उनपर कथित रूप से हमला किया जिसके विरुद्ध वे प्रदर्शन कर रहे हैं।

वीडियो कॉल के जरिए विद्यार्थियों से बात करते हुए खरगे ने संसद के मानसून सत्र में इस मुद्दे को उठाने के उनके अनुरोध पर सहमति जताई। उन्होंने विद्यार्थियों से शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध जारी रखने को कहा और उन्हें भरोसा दिलाया, 'हम आपके साथ खड़े हैं।' विद्यार्थियों ने आरोप लगाया था कि 10 जून को छात्रवृत्ति नियमों में बदलाव के खिलाफ उनके शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन पर विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई में करीब 20 छात्र घायल हो गए थे। उस समय विश्वविद्यालय प्रशासन ने दावा किया था कि कुछ विद्यार्थियों ने नारे लगाते हुए कुलपति के कार्यालय में घुसने की कोशिश की और गार्डों के साथ हाथापाई भी की। बाद में इस घटना के मद्देनजर कुछ सुरक्षाकर्मियों और एक सहायक प्रोफेसर को निलंबित कर दिया था।

ओडिशा: अतिसार के प्रकोप के बीच भुवनेश्वर, जाजपुर, कटक में भोजनालयों पर छापे मारे गए

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के कुछ हिस्सों में अतिसार के बढ़ते प्रकोप के बीच स्वच्छता के मानक का आकलन करने के लिए भुवनेश्वर, जाजपुर और कटक के कई रेस्तरां में छापेमारी की गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया नौ जून को जाजपुर में अतिसार के पहले मामले का पता चला था और जिले के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में 200 से अधिक मरीज अब भी उपचाराधीन हैं।

दर्पण के तहसीलदार मानस त्रिपाठी के नेतृत्व में एक टीम ने जाजपुर के बरचना कस्बे में भोजनालयों, मिठाई की दुकानों और होटल पर छापे मारे। उन्होंने बताया, ''हम भोजनालयों में परोसे जाने वाले भोजन की स्वच्छता और गुणवत्ता की जांच कर रहे हैं, अगर बासी भोजन पाया गया तो संबंधित मालिक को चेतावनी जारी की जाएगी। इसके बाद भी अगर वे गंदा या बासी भोजन परोसना जारी रखते हैं तो हम उनकी दुकान सील कर देंगे।'' बारी, धर्मशाला, व्यासनगर और बिंझारपुर ब्लॉकों में स्थानीय प्रशासन ने पहले ही अस्थायी अवधि के लिए होटल, भोजनालय, फास्ट-फूड स्टॉल, मांस की दुकानें और पानी पैक करने क इकाइयों को बंद कर दिया है। कटक व भुवनेश्वर के कुछ इलाकों में अतिसार के मामले पाए जाने के बाद नगर निगम के अधिकारियों ने भी छापेमारी शुरू कर दी है। यहां एक अधिकारी ने बताया कि भुवनेश्वर नगर निगम की टीम ने कलिंग विहार और डेल्टा स्क्वायर इलाकों में स्थित भोजनालयों पर छापेमारी की।

कुछ लोग सत्ता के लिए भाजपा से जुड़े हैं, अवसरवादी राजनीति को बढ़ावा नहीं दिया जा सकता: पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि कुछ व्यक्ति भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन कर अवसरवादी राजनीति में लिप्त हैं।

शरद पवार की इस टिप्पणी को उनसे अलग हुए भतीजे अजित पवार के लिए एक संदेश माना जा रहा है। शरद ने यह बयान ऐसे वक्त दिया है जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दोनों गुटों के फिर से एक होने की अटकलें हैं।

पिंपरी चिंचवाड़ में राकांपा (एसपी) कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शरद पवार ने कहा कि अवसरवाद की ऐसी राजनीति को प्रोत्साहित नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि वह उन लोगों को साथ लेने के लिए तैयार हैं जो गांधी, नेहरू, फुले और अंबेडकर की विचारधारा को मानते हैं।

हाल के दिनों में चाचा-भतीजे के बीच विभिन्न अवसरों पर हुई मुलाकातों से राकांपा (एसपी) के अजित पवार की पार्टी राकांपा के साथ संभावित विलय की अटकलों को बल मिला था।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, यहां किसी ने अभी-अभी सभी को साथ लेकर चलने की जरूरत का जिक्र किया है। सभी को साथ लेकर चलने में कोई समस्या नहीं है, लेकिन सभी कौन हैं? मैं उन लोगों को साथ लेकर चलने को तैयार हूं जो गांधी-नेहरू, फुले और अंबेडकर की विचारधारा को मानते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग पार्टी (उनके द्वारा स्थापित राकांपा) छोड़ चुके हैं और नए लोग शामिल हो रहे हैं।

कद्दावर राजनीतिक नेता ने कहा, सभी का मतलब उन लोगों से था जो गांधी, नेहरू, ज्योतिबा फुले और बी आर अंबेडकर की विचारधारा को मानते हैं। अगर वे इस विचारधारा को मानते हैं और उसका पालन करते हैं तो मैं उन्हें स्वीकार कर सकता हूं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, हालांकि, अगर कोई सत्ता के लिए भाजपा के साथ जा रहा है, तो यह कांग्रेस की विचारधारा नहीं है। कोई किसी के साथ भी गठबंधन कर सकता है, लेकिन भाजपा के साथ जाना कांग्रेस की विचारधारा के अनुरूप नहीं हो सकता।

शरद पवार ने कहा कि इस अवसरवाद की राजनीति को बढ़ावा नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा, हमें इसी के अनुरूप आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे पार्टी छोड़ने वाले नेताओं की चिंता करना छोड़ दें और आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए कमर कस लें।

आप बिहार विधानसभा चुनाव में अपने उम्मीदवार उतारेगी : संजय सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजय सिंह ने मंगलवार को घोषणा की कि इस साल के आखिर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी अपने उम्मीदवार उतारेगी।

राज्यसभा सदस्य और आप के बिहार मामलों के प्रभारी सिंह ने राज्य की राजधानी पटना में संवाददाताओं से बात की। उन्होंने यहां सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के खिलाफ आप द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। सिंह से उन अटकलों के बारे में पूछा गया था कि क्या आप बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने की योजना बना रही है? पार्टी दिल्ली और पंजाब में मजबूत स्थिति में है और गुजरात में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी है। उन्होंने सवाल का सकारात्मक जवाब देते हुए कहा, ''हम बिहार में चुनाव लड़ेंगे। किन सीट पर चुनाव लड़ना है, इसका फैसला केंद्रीय नेतृत्व आने वाले समय में करेगा।'' सिंह ने कहा, ''दिल्ली में भाजपा सरकार बिहार और पूर्वांचल के लोगों के साथ दुश्मन देश के नागरिकों जैसा व्यवहार कर रही है। उन्हें बेघर किया जा रहा है और बदले की भावना से झुग्गियों को तोड़ा जा रहा है। हम बिहार के लोगों से राज्य की सत्ता से भाजपा को बाहर करने के लिए वोट देने का आह्वान करते हैं।'' अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप को राष्ट्रीय राजधानी में दो बार सत्ता मिलने के इस साल के शुरुआत में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। राज्यसभा सदस्य ने आरोप लगाया, ''जब हम सत्ता में थे, तो भाजपा दिल्ली में रहने वाले बिहारवासियों और पूर्वांचलियों को झुग्गियों की जगह पक्के मकान देने का वादा करके लुभाती थी। लेकिन उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान प्रवासी भाइयों को बांग्लादेशी करार दिया।'' सिंह ने कहा, ''मैंने संसद में कड़ा विरोध जताया था। मैं यहां यह संदेश लेकर आया हूं कि दिल्ली में विश्वासघात और बिहार में सद्भावना एक साथ नहीं चल सकती।'' उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार (जद-यू प्रमुख) और भाजपा नेताओं से दिल्ली में प्रवासियों के साथ कथित दुर्व्यवहार के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की।

शुभमन गिल को खिलाड़ियों से सम्मान पाने के लिए इंग्लैंड में रन बनाने होंगे : दिनेश कार्तिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। भारत के पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक का मानना है कि शुभमन गिल को अभी भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी का पूरा एहसास नहीं हुआ होगा और ड्रेसिंग रूम में सम्मान हासिल करने के लिए इस युवा खिलाड़ी को अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

भारतीय टीम रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों के बिना टेस्ट क्रिकेट में एक नए युग की शुरुआत कर रही है। पच्चीस साल के गिल के नेतृत्व में टीम इंग्लैंड में पांच मैचों की शृंखला खेलेगी। यह गिल की कप्तानी में टीम की पहली परीक्षा होगी। कार्तिक ने 'स्काई स्पोर्ट्स क्रिकेट पोडकास्ट' पर कहा, '' मैं पहला सुझाव जो शुभमन गिल को देना चाहता हूं वह यह है कि आप अपनी कप्तानी की भूमिका सिर्फ क्षेत्ररक्षण करते समय निभाये। अपनी बल्लेबाजी पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करें।'' उन्होंने कहा, ''गिल को ड्रेसिंग रूम (टीम के अन्य सदस्य) में सम्मान पाने के लिए रन बनाने ही होंगे। एसईएनए (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया) देशों में बल्लेबाज के रूप में उनका औसत ऐसा नहीं है जिस पर उन्हें गर्व होगा।'' गिल ने भारत के लिए 32 टेस्ट खेले है लेकिन एसईएनए देशों में वह नियमित तौर पर बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे हैं। भारत ने आखिरी बार 2007 में इंग्लैंड में टेस्ट शृंखला में जीत दर्ज की थी। गिल के सामने पहली बार कप्तान के तौर पर उस उपलब्धि को दोहराने की चुनौती है।

हाल ही में गिल का इंटरव्यू लेने वाले कार्तिक ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि उन्हें अभी तक भारत के लिए टेस्ट कप्तान होने के महत्व का एहसास हुआ है। वह शेर की मांद में जा रहे हैं। एक क्रिकेट राष्ट्र के तौर पर इंग्लैंड में आना आसान नहीं है।'' इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, '' गिल की किस्मत हालांकि थोड़ी अच्छी है क्योंकि इंग्लैंड की गेंदबाजी उतनी मजबूत नहीं है। मैं भारत के नजरिये से यही एकमात्र साकारात्मक पहलू देख रहा हूं। इंग्लैंड की बल्लेबाजी भारत पर दबाव बनाएगी, लेकिन गेंदबाजी एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर इंग्लैंड को काम करना है और यह भारत के लिए फायदेमंद हो सकता है।''

हम काफी अनुभवहीन थे और फिर भी जीत हासिल की: रबाडा

लंदन/भाषा। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा ने कहा है कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का खिताब जीतना इसलिए और भी यादगार हो गया क्योंकि उनकी टीम 'काफी अनुभवहीन' थी और फिर भी उसने दिग्गजों से भरी ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ शानदार जीत हासिल की। कप्तान तेम्बा बावुमा की अगुआई में दक्षिण अफ्रीका ने हाल ही में लॉर्ड्स में डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराकर आईसीसी ट्रॉफी के लिए 27 साल के सूखे को समाप्त किया। रबाडा ने इस मैच में नौ विकेट लिए। रबाडा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा, ''हम काफी अनुभवहीन टीम हैं जिसने लगभग एक साल पहले साथ खेलना शुरू किया, हम लंबे समय से एक-दूसरे के साथ नहीं हैं। इसके बावजूद हमने यह हासिल किया है। मैं इसे अपने जीवन में कभी नहीं भूलूंगा, कोई भी खिलाड़ी इसे नहीं भूलेगा।'' रबाडा ने कहा कि उनकी टीम के युवा खिलाड़ी अपने बचपन के दिनों से ही ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को पसंद करते थे इसलिए यह जीत और भी खास है। उन्होंने कहा, ''ऑस्ट्रेलिया अच्छी तरह से अभ्यस्त टीम है और पूरे सम्मान के साथ कहूं तो यह थोड़ी उम्रदराज टीम है। उनमें से कुछ खिलाड़ी तब भी खेल रहे थे जब हम हाई स्कूल में थे। अगर आप युवा खिलाड़ियों के नजरिए से देखें तो यह कैसा है। यह खास है, हम अब भी भावनाओं में डूबे हैं।''

सुविचार

प्रेम का असली मतलब राधा-कृष्ण से पूछो, जो बिना शर्त, बिना स्वार्थ बस महसूस किया जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इजराइल के निशाने पर कौन?

ईरान और इजराइल के बीच सैन्य संघर्ष खतरनाक मोड़ पर आ पहुंचा है। दोनों में से कोई भी पीछे हटने को तैयार नहीं है। अब तक ईरान को ज्यादा नुकसान हुआ है। उसके कई शीर्ष परमाणु वैज्ञानिक और सैन्य अधिकारी मारे गए हैं। इजराइल का पिछले कई वर्षों का रिकॉर्ड रहा है कि वह अपने दुश्मन के शीर्ष नेतृत्व पर न सिर्फ हमला करता है, बल्कि उसका खात्मा करने से भी नहीं हिचकता। उसने हमास, हिज्बुल्ला के शीर्ष कमांडरों का सफाया कर दिया। ऐसे में सवाल उठता है– क्या अब ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई उसके निशाने पर हैं? हालांकि ऐसी ख़बरें हैं कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइल की इस योजना को वीटो कर दिया है। क्या जंग की आग ज्यादा फैलने की सूरत में भी इजराइल ट्रंप का आदेश मानेगा? अभी उसका पलड़ा भारी है, लेकिन ईरान के पास मिसाइलों का भारी जखीरा है। वह तेल अवीव समेत कई इलाकों पर हमले कर चुका है, जिससे इजराइली नागरिकों में अफरा-तफरी मची है। अगर इस टकराव के दौरान इजराइल को कोई बड़ा नुकसान हुआ या संघर्ष लंबा खिंचा तो प्रधानमंत्री नेतन्याहू ईरान के सर्वोच्च नेता पर हमला करने का आदेश देने से गुरेज़ नहीं करेंगे। वे इसके स्पष्ट संकेत दे चुके हैं। अगर इजराइल किसी तरह खामेनेई तक 'पहुंचने' में कामयाब रहा तो ईरान में अराजकता फैल सकती है। वहां आईआरजीसी और अन्य कट्टरपंथी समूह सत्ता पर कब्जा कर सकते हैं। यही नहीं, वे ईरान की जनता से सहानुभूति लेते हुए इजराइल पर हवाई हमले तेज कर सकते हैं। इससे मध्य पूर्व में भारी उथल-पुथल मच सकती है।

खामेनेई के जाने से ईरान की राजनीति में एक खालीपन पैदा हो सकता है। उसे भरने के लिए उनके बेटे या किसी अन्य मजहबी नेता को आगे लाया जा सकता है। इस प्रक्रिया में जितना समय लगेगा, इजराइल उसका फायदा उठाना चाहेगा। नेतन्याहू ईरान की जनता से पहले ही यह अपील कर चुके हैं कि 'दुष्ट और दमनकारी' शासन से अपनी आज़ादी के लिए खड़े हों। अगर ईरान की राजनीति में खालीपन पैदा होगा तो अमेरिका और इजराइल ऐसे संगठनों को समर्थन दे सकते हैं, जो 'बदलाव' के लिए आवाज बुलंद करें। याद करें, महसा अमीनी के साथ बर्बरता होने के बाद पूरे ईरान में खामेनेई के खिलाफ नारे गूंजने लगे थे। उस आंदोलन को बुरी तरह कुचला गया और सैकड़ों महिलाओं की मौत हुई थी। क्या उनके परिजन (खामेनेई के न रहने पर) दोबारा उसी व्यवस्था का समर्थन करेंगे, जो कट्टरपंथी रवैया अपनाए और महिलाओं पर सख्त पाबंदियां थोपे? ट्रंप और नेतन्याहू जानते हैं कि ईरान में ऐसे लोगों की अच्छी-खासी तादाद है, जो खामेनेई की नीतियों को पसंद नहीं करते और चाहते हैं कि देश में बदलाव आए। अमेरिका-इजराइल इस वर्ग के कुछ चर्चित चेहरों को आगे लाकर उन्हें सत्ता और व्यवस्था परिवर्तन का पैरोकार बना सकते हैं। इससे ईरानी समाज बंट जाएगा और कट्टरपंथी खेमे की पकड़ कमजोर होगी। हालांकि यह इतना आसान नहीं होगा। अगर इजराइल की काफी कोशिशों के बावजूद खामेनेई सुरक्षित रहे तो ईरान में उनकी स्थिति बहुत मजबूत हो सकती है। कट्टरपंथी समूह उन्हें किसी महानायक की तरह मानेंगे। इससे ईरान की आक्रामकता में और धार आएगी तथा इजराइल पर ज्यादा घातक हमले होंगे। ईरानी प्रॉक्सी समूह ज्यादा जोश के साथ मैदान में उतरेंगे और इजराइल के लिए चुनौतियां पैदा करेंगे। भविष्य में जो भी स्थिति पैदा हो, इतना तय है कि अगर सैन्य संघर्ष जल्दी नहीं रुका तो दोनों ही तरफ जान-माल का नुकसान बढ़ता जाएगा। ईरान को शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम के नाम पर अपने खतरनाक मंसूबे से पीछे हटना होगा। इसे इजराइल अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है। अगर ईरान असल में शांति चाहता है तो उसे अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों की निगरानी में ही परमाणु कार्यक्रम की अनुमति मिलनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

विश्व मरूस्थलीकरण एवं सूखा रोकथाम दिवस पर आफरी में आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में माननीय केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव के साथ प्रतिभाग किया। इसमें ईको सिस्टम के सुधार को प्राथमिकता देती उद्देश्यपरक चर्चा हुई।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पूर्व आज मुख्यमंत्री निवास पर विद्यार्थियों एवं सुरक्षाकर्मियों के साथ योगाभ्यास किया। सभी प्रदेशवासियों से आग्रह है कि योग को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएं और 'स्वस्थ, समृद्ध व विकसित राजस्थान' के निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

-भजनलाल शर्मा

संसदीय क्षेत्र बून्दी में केन्द्रीय विद्यालय के नवनिर्मित भवन के लोकार्पण के साथ विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों से संवाद का अवसर मिला। यह विद्यालय परिसर शिक्षा, संस्कार, अनुशासन, तकनीकी दक्षता और राष्ट्रीय चेतना का संगम बने, यही हमारी अपेक्षा है।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

जीवन की लय

एक बार चीनी संत चुअंग तेउजु की पत्नी कुछ दिनों से अस्वस्थ थीं। अंततः उनका निधन हो गया। परंतु जब चुअंग तेउजु ने उन्हें मृत देखा तो उन्होंने पलभर के लिए भी कोई शोक व्यक्त नहीं किया। इसके विपरीत, वे अपनी कुटिया के बाहर बैठकर वाद्य यंत्र बजाने लगे और गाने लगे। यह दृश्य देखकर लोग चकित रह गए। जब यह समाचार चीन के सम्राट तक पहुंचा, तो वे स्वयं उन्हें सांत्वना देने वहां पहुंचे। लेकिन वहां का दृश्य देखकर सम्राट स्तब्ध रह गए। उन्होंने चुअंग तेउजु से पूछा, 'तुमने तो हद कर दी! कम से कम इस शोक की घड़ी में मौन तो रह सकते थे। गाना-बजाना तो बिल्कुल अनुचित है!' चुअंग तेउजु मुस्कुराते हुए उत्तर देने लगे, 'मैं क्यों रोऊं? क्यों ग़मगीन हो जाऊं? मैं तो पहले से ही जानता था कि वह सदा जीवित नहीं रहेगी। यह शरीर तो नश्वर है। जब वह थी, तब हमने प्रेम और संगीत से जीवन जिया। अब जब वह नहीं रही, तो मैं उसे विदाई भी उसी प्रेम, शांति और संगीत के साथ क्यों न दूं?' संत चुअंग तेउजु जीवन भर यही सिखाते रहे कि जीवन गतिशील है, इसकी लय को किसी भी परिस्थिति में टूटने न दो।

सामयिक

प्रधानमंत्री मोदी की साइप्रस यात्रा के मायने

चेतनादित्य आलोक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साइप्रस, कनाडा और क्रोएशिया की अपनी अत्यंत महत्वपूर्ण यात्रा के पहले चरण में यूरोपीय संघ के सदस्य देश साइप्रस पहुंचे, जो भारत का पुराना मित्र भी है। राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडुलाइड्स ने हवाई अड्डे पर पहुंचकर उनका जोरदार स्वागत किया। बाद में, उन्होंने पीएम मोदी को वहां के सर्वोच्च सम्मान से अलंकृत भी किया, जो भारत और साइप्रस के प्रगाढ़ होते संबंधों को दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी की तीन देशों की इस यात्रा का प्रमुख उद्देश्य भारत के वैश्विक संबंधों को मजबूत करना, आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देना तथा वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की प्राथमिकताओं को लेकर कूटनीतिक प्रयासों को और तेज करना है। देखा जाए तो उपर्युक्त तीन देशों में भी साइप्रस का भारत के लिए अत्यंत विशेष महत्व है। हालांकि, अब तक हमने इस ओर कम ही ध्यान दिया है। तभी तो, लगभग 22 वर्षों के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने साइप्रस का आधिकारिक दौरा किया है। इससे पहले 1983 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने और 2002 में प्रधानमंत्री रहते अटल बिहारी वाजपेयी ने रिपब्लिक ऑफ साइप्रस की आधिकारिक यात्रा की थी। बहरहाल, पीएम मोदी के साइप्रस दौरे से दोनों देशों के संबंधों में आई मधुरता, एकजुटता और आपसी सहयोग की भावना आने वाले समय में तुर्कीए की नींद हराम करने वाली साबित होगी, इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए।

दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे का उद्देश्य केवल भारत और साइप्रस के बीच मित्रता को बढ़ाना नहीं, बल्कि भारत के खिलाफ विशेषकर कश्मीर के मुद्दे पर खुलकर बोलते रहने वाले एवं पाकिस्तान को सैन्य तथा कूटनीतिक समर्थन और सहयोग प्रदान करते रहने वाले साइप्रस के पड़ोसी तुर्कीए को सख्त संदेश देना भी है कि भारत उसकी हरकतों का जवाब देना अच्छी तरह से जानता है। वहीं, भारत का साइप्रस के साथ खड़े होना तुर्कीए के लिए साफ संदेश है कि भारत उसके खिलाफ उन देशों का समर्थन कर करता रहेगा, जो तुर्कीए की आक्रामकता से परेशान हैं। तात्पर्य यह कि भारत ने तुर्कीए की दुखती रग पर हाथ रख दिया है। साथ ही, पीएम मोदी की इस यात्रा से यह उम्मीद भी जगी है कि यह दोनों देशों के बीच की मित्रता को और प्रगाढ़ करने के अलावा आपसी व्यापार, संस्कृति एवं रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने में भी प्रभावी साबित होगा। यह उम्मीद निराधार भी नहीं है, क्योंकि साइप्रस की भौगोलिक स्थिति इसे भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण बनाती है। बता दें कि यह भूमध्य सागर में तुर्कीए के दक्षिण में, लेवांत (सीरिया-लेबनान-फिलिस्तीन-इजरायल) के पश्चिम में और स्वेज नहर के निकट स्थित है। यानी साइप्रस यूरोप, एशिया और अफ्रीका के बीच एक अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो भारत-मध्य-पूर्व-यूरोप कॉरिडोर (आइएमईसी) के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण कड़ी साबित हो सकता है।

आइएमईसी एक ऐसा व्यापारिक कॉरिडोर अथवा रास्ता है, जो भारत को मध्य-पूर्व के रास्ते यूरोप से जोड़ सकता है। यदि साइप्रस को इस कॉरिडोर में शामिल कर लिया जाए तो न केवल व्यापारिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने, बल्कि तुर्कीए की अनपेक्षित हेकड़ी को बंद करने में भी सफलता मिल सकती है। दरअसल, इसी उद्देश्य से भारत ने हाल के वर्षों में तुर्कीए के तमाम विरोधी देशों, जिनमें ग्रीस, आर्मेनिया, मिस्र और साइप्रस के साथ अपने संबंधों को मजबूती प्रदान करने के प्रयास किए हैं। इस क्रम में ग्रीस, आर्मेनिया, और मिस्र के साथ मित्रता एवं व्यापारिक तथा सामरिक संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से पीएम मोदी उन देशों के दौरे पहले ही कर चुके हैं। अब, उनकी यह साइप्रस यात्रा तुर्कीए को चारों तरफ से घेरने के भारत के रणनीतिक अभियान का ही एक हिस्सा प्रतीत होती है। वैसे, भारत के लिए साइप्रस की मित्रता हमेशा से बेहद महत्वपूर्ण रही है। बता दें कि संकट काल में साइप्रस ने हमेशा भारत का साथ दिया है, चाहे 1998 में भारत के परमाणु परीक्षण के बाद का समय हो, जब हम दुनिया में अलग-थलग पड़ने लगे थे या 2008 में भारत-अमेरिका परमाणु समझौते के समय अथवा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए वैश्विक समर्थन जुटाने का मामला हो। इसके अतिरिक्त, आतंकवाद और कश्मीर जैसे मुद्दों पर भी साइप्रस ने पाकिस्तान या तुर्कीए के बजाए हमेशा भारत का साथ दिया है।

वहीं, भारत भी हमेशा से साइप्रस की एकता और अखंडता का समर्थन करता रहा है, बल्कि भारत की तो यह मांग रही है कि साइप्रस का मुद्दा संयुक्त राष्ट्र के नियमों और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अंतर्गत हल किया जाए। बता दें कि साइप्रस और तुर्कीए का संघर्ष 1974 से ही चला आ रहा है, जब ग्रीस के समर्थन से साइप्रस में तख्तापलट हुआ था, ताकि साइप्रस को ग्रीस के साथ मिलाया जा सके। यही वह समय था, जब तुर्कीए ने साइप्रस के उत्तरी हिस्से पर हमला कर उसे अपने कब्जे में ले लिया था, जिसके बाद से ही साइप्रस दो भागों में बंटा हुआ है। साइप्रस का दक्षिणी भाग 'ग्रीक साइप्रियट्स' अथवा 'रिपब्लिक ऑफ साइप्रस' कहलाता है, जिसे विश्व भर के देशों से मान्यता मिली हुई है। वहीं, इसका उत्तरी भाग 'तुर्की साइप्रियट्स' के नाम से जाना जाता है। इसे तुर्कीए ने 'तुर्की रिपब्लिक ऑफ नॉर्दर्न साइप्रस' घोषित किया हुआ है, लेकिन इसे अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त नहीं है। तुर्कीए ने उत्तरी साइप्रस में अपनी सेना तैनात कर रखी है और समय-समय पर वहां की समुद्री सीमाओं पर भी अतिक्रमण करने का प्रयास करता रहता है। गौरतलब है कि साइप्रस की धरती में 12-15 ट्रिलियन क्यूबिक फीट प्राकृतिक गैस का भंडार मौजूद है, जिस पर तुर्कीए कब्जा करना चाहता है। इतना ही नहीं, तुर्कीए के हस्तक्षेप के कारण साइप्रस को अपनी ही गैस को निर्यात करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

यहां तक कि तुर्कीए साइप्रस के समुद्री क्षेत्र में अपने जहाज भेजकर गैस खोजने की कोशिशें भी कर चुका है, जिससे साइप्रस, ग्रीस और यूरोपीय संघ के साथ उसका तनाव बढ़ने की खबरें भी आती रही हैं। दरअसल, तुर्कीए का मानना है कि साइप्रस जैसे छोटे-से द्वीप को इतना बड़ा समुद्री क्षेत्र (ईईजेड) नहीं मिलना चाहिए। तुर्कीए के ये तमाम प्रयास ईईजेड से संबद्ध अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ हैं। जाहिर है कि यदि भारत साइप्रस के साथ संस्कृति, ऊर्जा, व्यापार या बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाता है, तो यह तुर्कीए के लिए बहुत बड़ा झटका साबित हो सकता है। वहीं, तुर्कीए की चतुर्दिक घेराबंदी और साइप्रस के साथ बढ़ते सहयोग एवं घनिष्ठता भारत की बढ़ती वैश्विक शक्ति एवं क्षमता का प्रतीक है।

मंथन

अतीत में मिले नाज़ी दंश को कभी नहीं भूलते यहूदी

डॉ. एस.डी. वैष्णव

मध्य-पूर्व में युद्ध की विभीषिका के बीच यह चर्चा आम है कि इज़रायल जैसा छोटा-सा देश जो मुस्लिम देशों से घिरा होने के बावजूद, ईरान जैसे ताकतवर मुस्लिम राष्ट्र से युद्ध भूमि में दो-दो हाथ कैसे कर पा रहा है! ईरान के प्रोक्सी संगठनों- हमास, हिज्बुल्लाह और हूती विद्रोहियों को बैकफुट पर धकेलकर अब सीधे ईरान में बारूदी कोहराम मचा रखा है! यह कैसे संभव हो पा रहा है? वर्तमान परिदृश्य में इसके चार कारण सीधे-सीधे नज़र आते हैं- पार्श्व में अमरीका, खुफिया एजेंसी मोसाद, इज़रायल डिफेंस फोर्स और उनका मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम। लेकिन, इनके अतिरिक्त एक महत्त्वपूर्ण कारण और है। वह भले ही युद्ध में प्रत्यक्ष रूप से मौजूद नहीं है, लेकिन उसके दंश ने यहूदियों को अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए फौलाद के समान मजबूत और साहसी बना दिया और वह है- 'होलोकॉस्ट'।

वर्ष 1940 के दशक में यूरोपीय यहूदियों का नरसंहार हुआ, जिसे होलोकॉस्ट के रूप में जाना जाता है। जर्मनी में 1933-45 तक तानाशाह शासक एडोल्फ हिटलर का शासन रहा। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाज़ी जर्मन और उसके सहयोगियों द्वारा 60 लाख यहूदियों का नरसंहार किया गया। इतिहास में यह एक ऐसी त्रासदी थी; जिसमें यहूदियों का ही नहीं, सोवियत बंदी, पोलिश तथा सोवियत नागरिकों का भी कत्लेआम हुआ। उस वक्त हिटलर के खोफ़ के कारण पोलैंड से कई नागरिक समुद्री मार्ग से भागकर गुजरात के जामनगर तट पहुँचे, जहाँ उन्हें तत्कालीन महाराजा दिग्विजय सिंह ने जिन्हें हम जाम साहिब के नाम से भी जानते हैं, वर्षों तक अपने यहाँ शरण दी। यही कारण है कि आज पोलैंड में जाम साहिब का नाम बड़े सम्मान के साथ लिया जाता है।

हिटलर के शासनकाल में पूरे यूरोप में नाज़ी विचारधारा ने यहूदियों की आजीविका छीन ली, उनके घर और प्रार्थना स्थल नष्ट करके उन्हें यातना शिविरों में कैद कर दिया गया। सितंबर 1939 में जर्मनी द्वारा पोलैंड पर आक्रमण ने यहूदियों के उत्पीड़न के साथ एक नई चरमपंथी सोच को भी जन्म दिया। यूरोपीय यहूदियों पर हुए अत्याचारों का जीवंत और रुह कंपा देने वाला चित्रण ऐनी फ्रैंक की डायरी में देखने मिलता है; जिसमें उसने एम्स्टर्डम में प्रिंसेंग्राच पर स्थित एक गुप्त एनेक्स यानी 'छिपा हुआ कमरा' का उल्लेख किया है, जहाँ होलोकॉस्ट की शिकार ऐनी अपने परिवार के साथ एक बंदी के रूप में यातना से गुज़रते हुए, नाजी अत्याचारों की पराकाष्ठा को अपनी डायरी में शब्दबद्ध करती है।

द्वितीय विश्व युद्ध मानव इतिहास का सबसे विनाशकारी युद्ध है, तो यहूदियों के लिए काला अध्याय भी। लाखों यहूदी मार दिए गए और जो बचे, उन्हें विस्थापन का दंश झेलना पडा। होलोकॉस्ट के लिए हिब्रू भाषा में 'शोआह' शब्द का जिक्र होता है, जो समग्र विनाश या आपदा के प्रतीकात्मक रूप में प्रयुक्त होता है। होलोकॉस्ट रूपी दर्दनाक घटना के बाद यहूदी समुदाय ने अपनी पहचान एवं संस्कृति को जिंदा रखने की दिशा में काम किया। भयंकर उत्पीड़न के उस नाज़ी दंश को ज़ेहन में ताज़ा रखते हुए, एक जुटता, आत्मविश्वास, जिजीविषा एवं पुनर्निर्माण के संकल्प को जिंदा रखा। होलोकॉस्ट की घटना यहूदियों के राष्ट्र प्रेम को और मजबूत करती है। 1948 में हुई आधुनिक इज़रायल की स्थापना भी इसी का परिणाम है। 1959 में इज़रायल की राष्ट्रीय विधायिका नेसेट ने प्रतिवर्ष 'होलोकॉस्ट स्मरण दिवस' मनाने की घोषणा की, ताकि नाज़ी अत्याचारों की वह दास्तां उन्हें हमेशा याद रहे।

आज मध्य-पूर्व सुलग रहा है। इज़रायल-ईरान में भयंकर युद्ध छिड़ा हुआ है। चाहे तेल अवीव हो या तेहरान दोनों ओर के आम नागरिक मारे जा रहे हैं या विस्थापन को मजबूर हैं। इज़रायल-ईरान जंग के बहाने अमरीका ईरान के परमाणु संवर्धन कार्यक्रमों पर रोक लगाना चाहता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि इस युद्ध के बरक्स हो सकता है, पर्दे के पीछे ईरान में तख्तापलट की पटकथा भी लिखी जा रही हो! बहरहाल, मनुष्यता दांव पर लगी है। संवाद करने की बजाय, क्या मध्य-पूर्व के बहाने हम तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ रहे हैं? इन विकट हालातो के बीच कवि बिलाल पठान वारकोडिगामा' की एक कविता ज़ेहन में ध्वनित हो रही है- युद्धों के निर्णय हमेशा शून्य आते हैं/ एक दिन आग से मुठभेड़ करते हुए, पानी मारा गया/ और एक दिन पानी से मुठभेड़ करते हुए, आग मारी गई।'

नजरिया

शिक्षा ने राह दिखाई, अब नेतृत्व की बारी

सोनम लववंशी

मोबाइल : 70008 54500

यूनेस्को की वैश्विक शिक्षा निगरानी रिपोर्ट 2024 जब यह कहती है कि लड़कियों की शैक्षणिक प्रगति वैश्विक स्तर पर उल्लेखनीय रही है, तो यह सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, एक उम्मीद का सिरा है। भारत में भी यह बदलाव साफ नजर आता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लागू होने के बाद से प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक लड़कियों की भागीदारी में बढ़ोतरी हुई है। उच्च शिक्षा में उनकी भागीदारी अब 49 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है। यह एक ऐसा तथ्य है जो न केवल भारत के भविष्य की दिशा तय करता है, बल्कि सामाजिक संरचना में बदलाव के संकेत भी देता है, किंतु इसी उजाले के साथ एक लंबी छाया खिंचती है। जब बात नेतृत्व की होती है, चाहे वह राजनीति का क्षेत्र हो, कॉरपोरेट की ऊँचाइयाँ, या तकनीकी दुनिया के निर्णायक मोर्चे, महिलाएं वहाँ बहुत पीछे खड़ी नजर आती हैं। केवल 7.2 प्रतिशत भारतीय कंपनियों में महिलाएं सीईओ पद पर हैं। संसद में उनकी भागीदारी 14 प्रतिशत से भी कम है। वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा थोड़ा ही बेहतर है। विश्व बैंक की साल 2024 की रिपोर्ट की माने तो, विश्वभर में शीर्ष नेतृत्वकारी पदों में केवल 10 प्रतिशत हिस्सेदारी महिलाओं की है। यह आंकड़े न सिर्फ स्थिति की गंभीरता बताता हैं, ये सवाल भी उठाता हैं कि आखिर क्यों शिक्षा में आगे निकल चुकी महिलाएं नेतृत्व के पायदान पर पिछड़ जाती हैं?

यह सवाल और भी गंभीर तब हो जाता है, जब हम मातृसत्तात्मक समाज की बात करते हैं। मेघालय इसका ज्वलंत उदाहरण है। यहाँ खासी और जयंतिया जनजातियों में संपत्ति और वंशानुक्रम महिलाओं से जुड़ा है। इन सबके बावजूद इस राज्य की विधानसभा में महिलाओं की भागीदारी बहुत कम या यूं कहें नाममात्र ही है। ऐसे में यह विसंगति केवल सांस्कृतिक ही नहीं, संरचनात्मक और मनोवैज्ञानिक भी है। क्या यह किसी सुनियोजित दमन का परिणाम है, या महिलाएं स्वयं नेतृत्व से दूर रहना चाहती हैं? शायद सत्य इन दोनों के बीच कहीं छिपा है, क्योंकि देश के बाकी हिस्सों की स्थिति भी काफी दयनीय है। पितृसत्तात्मक सोच, सामाजिक अपेक्षाएं, और कार्यस्थलों पर मौजूद लैंगिक भेदभाव की संरचनाएं मिलकर एक ऐसा वातावरण निर्मित करती हैं, जहाँ महिलाएं नेतृत्व के अवसरों से वंचित रह जाती हैं। अवसर मिलने पर भी उन्हें दुगना संघर्ष करना होता है। राजनीति जैसे क्षेत्र में तो यह और भी कठिन हो जाता है, जहाँ जोखिम, सार्वजनिक आलोचना, और कभी-कभी हिंसा तक का सामना करना पड़ता है। विश्व आर्थिक मंच की 2024 की रिपोर्ट बताती है कि कार्यबल में वैश्विक रूप से महिलाओं की भागीदारी 42 प्रतिशत है, लेकिन वरिष्ठ नेतृत्व में यह संख्या घटकर केवल 31.7 प्रतिशत रह जाती है। इसी प्रकार, स्टीम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) क्षेत्रों में महिलाओं की वैश्विक भागीदारी मात्र 28.2 प्रतिशत है। इसका अर्थ यह है कि महिलाएं केवल शिक्षा तक सीमित नहीं, ज्ञान के अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी अनदेखी का शिकार हैं। वेतन असमानता भी एक बड़ी बाधा है। विश्व बैंक की वीमेन, बिज़नेस एंड द लॉ-2024 की रिपोर्ट बताती है कि महिलाएं औसतन पुरुषों की तुलना में 2.4 घंटे अधिक अवैतनिक देखभाल कार्य करती हैं। इसके अतिरिक्त, 98 देशों में समान वेतन के कानून तो हैं, लेकिन केवल 35 देशों में ही ऐसे कानूनों के प्रवर्तन और पारदर्शिता के लिए मजबूत ढांचा है। इसका सीधा प्रभाव महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और नेतृत्वकारी भूमिका पर पड़ता है। इन सबके बावजूद, तस्वीर पूरी तरह धुंधली नहीं है। बदलाव की किरणें मौजूद हैं। भारत में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को आरक्षण दिए जाने के बाद से स्थानीय स्तर पर नेतृत्व में उनकी भागीदारी में सुधार देखा गया है। यह दिखाता है कि जब अवसर और संरचना दोनों सकारात्मक रूप में मिलते हैं, तो महिलाएं नेतृत्व में भी उत्कृष्टता दिखा सकती हैं। वैश्विक स्तर पर भी प्रयास किए जा रहे हैं। विश्व बैंक की जेंडर स्ट्रेटेजी 2024-2030 का लक्ष्य है कि 2030 तक 300 मिलियन महिलाओं को डिजिटल कनेक्टिविटी, 250 मिलियन को सामाजिक सुरक्षा नेटवर्क और 80 मिलियन महिला-नेतृत्व वाले व्यवसायों को वित्तीय समर्थन दिया जाए। ये योजनाएं महिलाओं को सशक्त करने के प्रयास नहीं, एक समावेशी भविष्य की नींव हैं। सवाल यह है कि इस नींव पर हम कैसे निर्माण करेंगे? सबसे पहले तो जरूरी है कि समाज में गहराई तक समाई लैंगिक रूढ़ियों को तोड़ा जाए। यह काम केवल पाठ्यक्रम बदलने या पोस्टर लगाने से नहीं होगा। इसके लिए जरूरी है कि बचपन से ही लड़के और लड़कियों दोनों को समानता, नेतृत्व और सह-अस्तित्व के मूल्यों की शिक्षा दी जाए।

कार्यस्थलों पर भी व्यापक बदलाव जरूरी हैं। मातृत्व अवकाश, लचीली कार्य व्यवस्था, यौन उत्पीड़न के मामलों में सख्त कार्यवाही, और महिलाओं की पदोन्नति के लिए पारदर्शी और न्यायसंगत प्रणाली का निर्माण अनिवार्य है। राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए सिर्फ आरक्षण पर्याप्त नहीं होगा। यह सुनिश्चित करना होगा कि आरक्षण सांकेतिक न रहे, बल्कि उसके माध्यम से वास्तविक और प्रभावी नेतृत्व उभर कर सामने आए। इसके लिए उन्हें प्रशिक्षण, संसाधन और एक सुरक्षित सार्वजनिक वातावरण प्रदान करना होगा। समाज को यह समझने की आवश्यकता है कि महिलाओं का नेतृत्व महिलाओं के लिए नहीं, पूरे समाज के विकास के लिए जरूरी है। जिन क्षेत्रों में महिलाओं को नेतृत्व का अवसर मिला है, वहाँ निर्णय प्रक्रिया अधिक समावेशी, दीर्घकालिक और मानवीय दृष्टिकोण वाली रही है।

महिलाओं की शिक्षा में हो रही प्रगति सराहनीय है, लेकिन यह तब तक अधूरी है जब तक वह नेतृत्व की ऊँचाइयों तक न पहुंचे। जब एक शिक्षित लड़की केवल एक नौकरी ही नहीं, बल्कि एक संस्था, एक आंदोलन, या एक नीति का नेतृत्व करती है, तभी हम कह सकते हैं कि शिक्षा ने अपना उद्देश्य पूरा किया है। समाज को यह स्वीकारना होगा कि नेतृत्व कोई जन्मगत विशेषाधिकार नहीं, अर्जित किया गया दायित्व है और जब तक महिलाओं को इस दायित्व को निभाने का पूरा अवसर नहीं मिलेगा, तब तक हम एक सशक्त, समावेशी और प्रगतिशील राष्ट्र नहीं बन सकते। अतः यह समय केवल आंकड़ों की तालिका सजाने का नहीं, उन आंकड़ों को जीने और बदलने का है। यह समय है कि हम लड़कियों की शिक्षा से आगे बढ़कर उन्हें नेतृत्व के मंच तक पहुँचाएं, क्योंकि जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो समाज भी आगे बढ़ता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष बढ़ने के संकेतों के बीच ट्रंप जी-7 छोड़ अमेरिका के लिए रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जी-7 शिखर सम्मेलन को बीच में ही छोड़कर अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ तत्काल वार्ता के लिए सोमवार को स्वदेश रवाना हो गए।

ट्रंप ने तेहरान के 95 लाख निवासियों से अपनी जान बचाने के लिए वहां से चले जाने का आग्रह किया है। इसके साथ ही उन्होंने ईरान के साथ परमाणु समझौता संभव होने की बात भी कही है।

संभावना है कि वह मंगलवार को व्हाइट हाउस पहुंचेंगे। पांच दिनों से जारी मिसाइल हमलों से इजराइल ने ईरान को काफी नुकसान पहुंचाया है और उसे लगता है कि अब वह तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को स्थायी झटका दे सकता है- खासकर अगर उसे ट्रंप से थोड़ी और मदद मिले।

ट्रंप ने वाशिंगटन लौटने के दौरान 'एयर फोर्स वन' में संवाददाताओं से कहा, ''ईरान परमाणु हथियार नहीं बना सकता।'' उन्होंने ईरानी नेताओं पर अपने परमाणु कार्यक्रम पर किसी समझौते पर पहुंचने के लिए अनिच्छुक होने का आरोप लगाया और सुझाव दिया कि अब उनकी उनसे बातचीत करने में दिलचस्पी घट गई है। ट्रंप ने कहा, ''उन्हें समझौता कर लेना चाहिए था। मैंने उनसे कहा, समझौता कर लो। इसलिए मुझे नहीं पता। मैं बातचीत करने के मूड में नहीं हूं।''

राष्ट्रपति ट्रंप अपने सलाहकारों से मिलने वाले हैं, जिससे संकेत मिलता है कि संघर्ष में अमेरिका की प्रत्यक्ष भूमिका बढ़ने वाली है। उनके रुख में बदलाव ऐसे वक्त आया है जब अमेरिका ने क्षेत्र में युद्धपोतों और सैन्य विमानों को फिर से तैनात किया है ताकि अगर इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष और बढ़ता है तो वे उसका जवाब दे सकें।

इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष तेज होने के मद्देनजर ट्रंप कनाडा के कनैनिस्किस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन को बीच में ही छोड़कर अमेरिका के लिए रवाना हो गए।

ट्रंप ने दिन में कई बार यह बात दोहराई कि ईरान परमाणु हथियार नहीं बना सकता। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में फिर से इस बात पर ज़ोर दिया, जिसमें उन्होंने लिखा, '' ईरान परमाणु हथियार नहीं बना सकता।''

निकासी के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने 'एयर फोर्स वन' में संवाददाताओं से कहा कि ''मैं बस यही चाहता हूं कि लोग सुरक्षित रहें।'' उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का यह कहना गलत है कि अमेरिका युद्ध विराम पर काम कर रहा है। ट्रंप ने कहा, ''हम युद्धविराम से बेहतर की उम्मीद कर रहे हैं। हम युद्ध विराम की उम्मीद नहीं कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि मैक्रों एक ''अच्छे व्यक्ति हैं, लेकिन वे अक्सर सही निर्णय नहीं ले पाते।''

ट्रंप ने कहा कि वह कूटनीतिक विकल्प से इनकार नहीं कर रहे हैं, और वह उपराष्ट्रपति जे डी वेंस और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ को ईरानियों से मिलने के लिए भेज सकते हैं।

उन्होंने कहा, ''यह इस बात पर निर्भर करता है कि मेरे लौटने पर क्या होता है।'' उन्होंने राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड की कांग्रेस के समक्ष गवाही को भी खारिज कर दिया, जिन्होंने मार्च में सांसदों से कहा था कि अमेरिकी जासूसी एजेंसियों को विश्वास नहीं था कि ईरान परमाणु हथियार बना रहा है। ट्रंन ने कहा, ''मुझे परवाह नहीं कि उन्होंने (तुलसी) क्या कहा। मुझे लगता है कि वे (ईरान) इसे हासिल करने के बहुत करीब थे।''

इजराइल का कहना है कि उसके हमले ने ईरान की हवाई सुरक्षा को तहस-नहस कर दिया है और अब वे देश भर में कहीं भी हमला कर सकते हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का कहना है कि इजराइल की बमबारी तब तक जारी रहेगी जब तक ईरान का परमाणु कार्यक्रम और बैलिस्टिक मिसाइलें नष्ट नहीं हो जातीं।

ईरान में कुछ भारतीय विद्यार्थी स्वदेश वापसी के इंतजार में, अन्य को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया

नई दिल्ली/भाषा

ईरान के 'तेहरान चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय' में भारतीय छात्रा मेहरीन जफर हवाई हमले के सायरन की आवाजों और बिजली गुल हो जाने के बीच डर के साये में जी रही है। वह उन 70 से अधिक भारतीय विद्यार्थियों में एक है जो ईरान से निकाले जाने का इंतजार कर रहे हैं। फिलहाल ईरान और इजराइल के साथ भीषण सैन्य संघर्ष चल रहा है।

मेहरीन ने सहमी हुई आवाज में कहा, ''ईरान में ब्लैक अलर्ट जारी है। हमें नहीं पता कि क्या हो रहा है। हमें सुरक्षा कारणों से बेसमेंट में रखा गया है, लेकिन हम डरे हुए हैं।'' उसने कहा, ''चूंकि इंटरनेट सेवा कमजोर है, इसलिए हम अपने परिवार के सदस्यों से भी संपर्क नहीं कर पा रहे हैं। घर पर, वे हमारी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।''

ईरान की राजधानी तेहरान में रह रही एमबीबीएस के तीसरे वर्ष की इस छात्रा ने कहा कि यह एक 'भयावह' स्थिति है।

मेहरीन ने कहा, ''हम मदद के लिए पुकार रहे हैं, लेकिन हमें कुछ नहीं मिला। हमें कुछ भी पता नहीं है। हम चाहते हैं कि हमें यहां से निकाला जाए।'' उसने कहा,''हमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से पूरी उम्मीद है और हमें मदद की ज़रूरत है। हम ऐसे नहीं रह सकते।'' 'केरमान चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय' के 21 वर्षीय छात्र फैजान नबी ने कहा कि उसने अपना सामान पैक करना शुरू कर दिया है।

उसने कहा, ''यहां (केरमान) स्थिति तेहरान जितनी खराब नहीं है। लेकिन अब भी डर बना हुआ है। हमें उम्मीद है कि हमें जल्द ही किसी सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जाएगा।''

हालांकि 'उर्मिया चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय' के छात्र हुजेफ मलिक उन विद्यार्थियों में से एक थे जिन्हें भारतीय अधिकारियों ने आर्मेनिया पहुंचाया है।

उसने कहा, ''हम उर्मिया में थे जो अपेक्षाकृत सुरक्षित था। हम आर्मेनिया पहुंच गए हैं।''

इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच, तेहरान से भारतीय विद्यार्थियों को निकाल लिया गया है। उनमें से 110 दूतावास द्वारा की गई व्यवस्था के माध्यम से सीमा पार करके आर्मेनिया पहुंच गए हैं।

जम्मू-कश्मीर छात्र संघ के अनुसार, ईरान-आर्मेनिया सीमा पार करने वाले सभी भारतीय विद्यार्थी अब सुरक्षित रूप से राजधानी येरेवन पहुंच गए हैं। उन्हें उनके निर्धारित स्थान पर होटलों में ठहराया गया है।

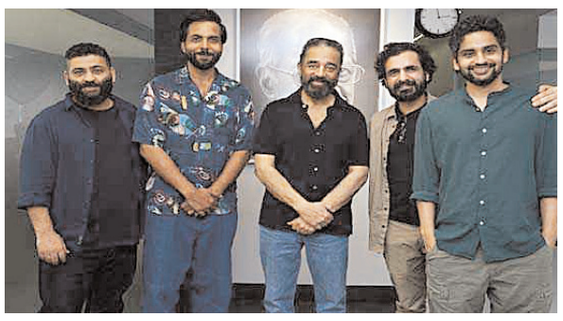

कमल हासन से सराहना पाकर अभिषेक बनर्जी हुए भावुक

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेताअभिषेक बनर्जी,कमल हासन से सराहना पाकर भावुक हो गए। अभिनेता अभिषेक बनर्जी इन दिनों अपनी फिल्म स्टोलेन में शानदार अभिनय के लिए खूब सराहे जा रहे हैं। हाल ही में उन्हें एक ऐसा पल मिला जो उनके करियर के सबसे खास और यादगार पलों में से एक बन गया। चेन्नई में एक खास प्राइवेट स्क्रीनिंग के दौरान स्टोलेन को दिग्गज अभिनेता कमल हासन ने देखा और पूरी टीम को इतनी बेहतरीन फिल्म बनाने के लिए बधाई दी। अपने बेहतरीन सिनेमा और शानदार नज़रिए के लिए पहचाने जाने वाले कमल हासन ने न सिर्फ फिल्म की कहानी को सराहा बल्कि अभिषेक बनर्जी के प्रदर्शन की भी दिल खोलकर तारीफ की। स्टोलेन की टीम, जिसमें अभिषेक भी शामिल थे, ने खुद चेन्नई जाकर यह फिल्म कमल हासन को दिखाई।

इस खास पल को लेकर अभिषेक बनर्जी ने कहा, मैंने कमल हासन सर की फिल्में देखकर ही अभिनय करना सीखा है। वो एक जीते-जागते महान कलाकार हैं और हम जैसे कलाकारों के लिए हमेशा प्रेरणा रहे हैं। स्टोलेन के लिए उनसे तारीफ मिलना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। यह पल मेरे दिल में हमेशा के लिए बसा रहेगा। स्टोलेन को दर्शकों और समीक्षकों से लगातार शानदार प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं और अब कमल हासन की इस मान्यता से फिल्म की सफलता को और मजबूती मिली है।

मेहुल चोकसी ने ब्रिटेन की अदालत में भारत के खिलाफ 'अपहरण' का आरोप लगाया

लंदन/भाषा

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी मामले में भारत में वांछित व्यवसायी मेहुल चोकसी ने लंदन के उच्च न्यायालय में भारत सरकार और पांच व्यक्तियों पर अपने कथित ''अपहरण, यातना और प्रत्यर्पण के प्रयास'' के लिए षड्यंत्रकारी के रूप में मुकदमा दायर किया है।

भारतीय प्राधिकारियों ने आरोपों से इनकार किया है और 'राज्य प्रतिरक्षा' (स्टेट इम्यूनिटी) के आधार पर ब्रिटेन के क्षेत्राधिकार पर आपत्ति जताई है। साथ ही उन्होंने भारतीय कानून और भारतीय संविधान से संबंधित विशेषज्ञ साक्ष्यों को ध्यान में रखने की अनुमति भी मांगी है।

राज्य प्रतिरक्षा अंतरराष्ट्रीय कानून का सिद्धांत है, जिसके अनुसार एक स्वतंत्र संप्रभु राष्ट्र को दूसरे देश की अदालत में न्यायिक कार्यवाही से छूट प्राप्त होती है। सोमवार को न्यायमूर्ति फ्रीडमैन के समक्ष मामले की प्रारंभिक सुनवाई के दौरान, अदालत को बताया गया कि चोकसी का दावा है कि मई 2021 में ''भारत सरकार के निर्देश पर'' अपहरण की कोशिश के तहत उसे प्रताड़ित किया गया था।

भारतीय पक्ष ने इस सप्ताह अदालत को बताया कि चोकसी ने ''भारत के खिलाफ बेहद गंभीर आरोप लगाये हैं, जिसमें कहा गया है कि भारत ने उसका अपहरण करने और नुकसान पहुंचाने की एक अंतरराष्ट्रीय साजिश रची थी।''

वकील हरीश साल्वे ने भारतीय अधिकारियों की ओर से दलील दी, ''भारत का पक्ष यह है कि वर्तमान दावा मुख्य रूप से इस मंशा से आगे बढ़ाया जा रहा है कि भारत को शर्मिंदा किया जाए और प्रतिवादी द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रत्यर्पण से बचने के प्रयासों के तहत दबाव बढ़ाया जा सके।'' वकील एडवर्ड फिट्जगेराल्ड के नेतृत्व में चोकसी के वकीलों ने आरोप लगाया कि एंटीगुआ में उस पर हमला करने में पांच व्यक्तियों के बीच मिलीभगत थी, ताकि उसे जबरन भारत को सौंपने के उद्देश्य से कैरेबियाई देश डोमिनिका ले जाया जा सके। चोकसी की दलील में कहा गया, ''प्रतिवादियों ने एक गैरकानूनी षड्यंत्र रचा, जिसके तहत प्रतिवादियों ने याचिकाकर्ता पर हमला, मारपीट, गलत कारावास, गैरकानूनी हिरासत और आवाजाही पर गैरकानूनी प्रतिबंध के माध्यम से हानिकारक कार्य करने पर सहमति व्यक्त की और फिर ऐसा किया।'' चोकसी बेल्जियम में हिरासत में है, और भारत में अपने प्रत्यर्पण के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है। चोकसी का भांजा नीरव मोदी भी भारत में वांछित है। वह लंदन में सलाखों के पीछे है। नीरव मोदी भी ब्रिटेन की अदालतों से कई बार जमानत की गुहार लगा चुका है, लेकिन उसे राहत नहीं मिली है। भारत में नीरव मोदी के खिलाफ तीन तरह की आपराधिक कार्यवाही चल रही है। पीएनबी के साथ धोखाधड़ी का केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का मामला, उस धोखाधड़ी की आय के कथित शोधन से संबंधित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का मामला और सीबीआई की कार्यवाही में साक्ष्य और गवाहों को प्रभावित करने से संबंधित आपराधिक कार्यवाही का तीसरा मामला है। अप्रैल 2021 में, ब्रिटेन की तत्कालीन गृह मंत्री प्रीति पटेल ने नीरव मोदी के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला स्थापित होने के बाद भारतीय अदालतों में इन आरोपों का सामना करने के लिए उसके प्रत्यर्पण का आदेश दिया था।

फिल्म 'कुबेरा' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार धनुष की आने वाली फिल्म कुबेरा का ट्रेलर रिलीज हो गया है। उराष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक शेखर कम्मुला की फिल्म कुबेरा में धनुष, नागार्जुन अक्किनेनी,रश्मिका मंदाना और जिम सर्भकी अहम भूमिका है। धनुष का किरदार पावर और पैसे की अंधी दौड़ में है,जहां रुकना मना है, और नैतिकता तो दूर-दूर तक नहीं दिखती। वहीं दूसरी तरफ नागार्जुन का 'देवा' है जो अपनी मंज़िल बिना हिंसा के पाना चाहता है। यानी लड़ाई सिर्फ बाहरी नहीं, अंदरूनी भी है!रश्मिका मंदाना का रोल इस इंटेंस कहानी में एक प्यारी सी सांस की तरह है जो इमोशन का तड़का लगाती है। और फिर आते हैं जिम सर्भ, जो हर फ्रेम में सरप्राइज़ एलिमेंट की तरह लगते हैं। ट्रेलर में मिलती हैं धमाकेदार एक्शन सीन्स, चुभते हुए धोखे और करारा इमोशनल पंच और इसमें जान डालते हैं निकेत बोम्मिरेड्डी की शानदार सिनेमैटोग्राफी और डीएसपी यानी देवी श्री प्रसाद का धड़कता हुआ म्यूज़िक।

शेखर कम्मुला ने इस फिल्म के जरिए पावर, लालच और नैतिकता के सवालों को जिस अंदाज़ में पेश किया है, वो काबिल-ए-तारीफ है। खासकर नागार्जुन और धनुष के बीच की केमिस्ट्री जबरदस्त है। श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी और एमिगोस क्रिएशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्माण सुनील नारंग और पुष्कुर राम मोहन राव ने किया है। विपुल अग्रवाल और मनीष वसिष्ठ सह निर्माता हैं।

म्यूज़ियम ऑफ सेक्रेड आर्ट में हुई 'महावतार नरसिंह' की स्क्रीनिंग

बेल्जियम/एजेन्सी

बेल्जियम के डब्र्यू शहर में बने म्यूज़ियम ऑफ सेक्रेड आर्ट (मोसा) में एक खास आयोजन हुआ, जहाँ 'महावतार नरसिंह' की स्क्रीनिंग रखी गई। इस मौके पर आध्यात्मिकता और सिनेमा का शानदार संगम देखने को मिला, जिसे दुनियाभर से आए लोगों ने देखा और सराहा। भगवान विष्णु के नरसिंह अवतार पर बनी इस एनिमेटेड कहानी ने लोगों का दिल छू लिया। आधा आदमी, आधा शेर वाले इस रूप की कथा को जिस तरह दिखाया गया, उसकी भावनाएं, कला और कहानी सब कुछ इतना ज़बरदस्त था कि देखने वाले भावुक होने के साथ दंग रह गए। महावतार नरसिंह के ऑफिशियल हैंडल पर लिखा गया मोसा, बेल्जियम में गूंजा अंतरराष्ट्रीय तालियों का शोर! महावतार नरसिंह की गर्जना सरहदों से पार गूंज उठी। महावतार नरसिंह को होम्बले फिल्म्स ने बनाया है, जो अब तक कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दे चुका है। महावतार नरसिंह का निर्देशन अश्विन कुमार ने किया है और इसे शिल्पा धवन, कुशल देसाई और चैतन्य देसाई ने क्लीम प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाया है। इसमें होम्बले फिल्म्स का भी साथ है, जो अब तक के कई बड़े हिट फिल्मों के लिए जानी जाती है। इस दमदार जोड़ी का मकसद है दर्शकों के सामने एक ऐसी फिल्म पेश करना जो हर मायने में शानदार हो। जबरदस्त विजुअल्स, भारतीय संस्कृति की झलक, जोरदार कहानी और बढ़िया सिनेमाई अंदाज़ के साथ ये फिल्म 3डी में और पांच भारतीय भाषाओं में रिलीज़ की जाएगी।

आजकल की कॉमेडी फिल्मों में बार-बार दोहराई जा रहे जोक्स और पंचलाइन : काजोल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल की आने वाली हॉरर फिल्म 'मां' रिलीज के लिए तैयार है। आईएएनएस से बात करते हुए काजोल ने सिनेमा में कॉमेडी की वर्तमान स्थिति पर अपने विचार साझा किए। काजोल ने कहा कि कॉमेडी फिल्मों में नयापन और गहराई की कमी है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें कोई अच्छी स्क्रिप्ट मिलती है, तो वह कॉमेडी फिल्मों में दोबारा काम करना चाहेंगी। उनका मानना है कि वह कॉमेडी फिल्मों के लिए कुछ नया पेश कर सकती हैं। उन्होंने साफ कहा कि अगर कंटेंट दमदार होगा, तो वह जरूर कॉमेडी में वापसी करेंगी। काजोल ने बताया कि कॉमेडी एक ऐसी शैली है, जो हर इंसान के लिए अलग है, जो बात एक इंसान को हंसाती है, जरूरी नहीं कि वही बात दूसरे को भी हंसाए। आज की फिल्मों में जो कॉमेडी दिखाई जाती है, वह ज्यादातर आम लोगों के ध्यान को आकर्षित करने के मकसद से बनाई जाती है, न कि किसी नए विचार से। 'दिलवाले' फिल्म की एक्ट्रेस ने कहा कि आजकल एक ही तरह के जोक्स और पंचलाइन बार-बार दोहराए जा रहे हैं, जिससे कॉमेडी में नयापन रहा ही नहीं है। काजोल ने कहा, ''मैं कॉमेडी फिल्म करना चाहती हूं। मुझे लगता है कि अगर मुझे मौका मिला, तो मैं उसमें बेहतरीन काम करूंगी। कॉमेडी हर इंसान के लिए अलग होती है, जो बात उन्हें मजेदार लगे, जरूरी नहीं कि वही बात किसी और को भी हंसाए। इसलिए कॉमेडी एक व्यक्तिगत पसंद की चीज है। आजकल ज्यादातर कॉमेडी फिल्में बड़ी संख्या में लोगों का ध्यान खींचने के लिए बनाई जाती हैं, न कि किसी अलग सोच या खास नजरिए से। फिल्मों में वही जोक्स और पंचलाइन बार-बार दोहराई जा रही हैं, जिससे कॉमेडी में कोई नयापन नहीं बचा। बेहतरीन कॉमेडी फिल्म बहुत समय से देखने को नहीं मिली है।'' काजोल ने पुरानी फिल्मों की भी तारीफ की। उन्होंने ऋषिकेश मुखर्जी की फिल्मों का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी फिल्मों में जो हास्य होता था, वह न सिर्फ मजेदार बल्कि समझदारी भरा और दिल से जुड़ा हुआ होता था।

महाकालेश्वर के दर्शन को उज्जैन पहुंचे रवि किशन, भस्म आरती में हुए शामिल

उज्जैन/एजेन्सी

अभिनेता, भाजपा सांसद रवि किशन सोमवार को मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने बाबा का दर्शन-पूजन किया। रवि किशन भस्म आरती में भी शामिल हुए। उन्होंने भगवान महाकाल के दर्शन-पूजन किए और मंदिर परिसर में विकसित महाकाल कॉरिडोर की जमकर तारीफ की। रवि किशन ने कहा, इतना भव्य महाकाल कॉरिडोर बनाने के लिए मैं प्रशासन, मध्य प्रदेश सरकार, पीएम मोदी और डबल इंजन सरकार का आभारी हूं। श्रद्धालुओं के लिए अब अच्छी सुविधाएं उपलब्ध हैं। अहमदाबाद विमान हादसे को लेकर उन्होंने कहा, भगवान महाकाल इस दुख को हरे और हादसे में मृत लोगों की आत्मा को शांति मिले। यही अर्जी लगाने आया हूं। पूजन, अर्पित पुजारी ने सम्पन्न करवाया। वहीं, श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने रविकिशन का स्वागत व सम्मान किया। रवि किशन ने नंदी हॉल से शिव साधना की चांदी से माथा टेक आशीर्वाद लिया। मंदिर पहुंचे रवि किशन पीले रंग का 'महाकाल' के नाम का दुपट्टा ओढ़े और माथे पर रोली का तिलक लगाए नजर आए।

रवि किशन ने दर्शन के बाद कहा, महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन कर मन को अपार शांति मिली। इतना भव्य और सुंदर महाकाल कॉरिडोर बनाने के लिए मैं स्थानीय प्रशासन, मध्य प्रदेश सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और डबल इंजन सरकार का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। अब श्रद्धालुओं के लिए यहां विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे दर्शन और अधिक सुगम और सुखद हो गए हैं। उन्होंने आगे कहा, महाकाल कॉरिडोर परियोजना न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दे रही है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर रही है। यह कॉरिडोर उज्जैन की शान बढ़ाने के साथ-साथ लाखों भक्तों के लिए आस्था का नया केंद्र बन गया है। मैं महाकालेश्वर समिति का भी आभार जताता हूं। महाकाल कॉरिडोर का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2022 में किया था। इससे मंदिर परिसर को भव्य और आधुनिक स्वरूप प्रदान किया गया है। परियोजना के तहत मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र को विकसित किया गया है, जिसमें भक्तों के लिए बेहतर दर्शन व्यवस्था, विश्राम स्थल, स्वच्छता और अन्य सुविधाएं भी शामिल हैं।

सायरा की 'अम्मी' नसीम बानो, जिनकी फिल्म देखने लोग जूते उतार कर जाते थे

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा की 'पहली सुपरस्टार', 'पहली रानी' और 'परी-चेहरा' नाम से जानी जाती थीं नसीम बानो। 18 जून को हिंदी सिने जगत की मशहूर हस्ती की पुण्यतिथि है। 4 जुलाई 1916 को पुरानी दिल्ली में जन्मी नसीम बानो ने 1930 और 1940 के दशक में अपनी खूबसूरती और अभिनय की ताकत से सिनेमा जगत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। जब हिन्दी सिनेमा में स्वर्णलता, मुमताज शांति और नूरजहां सरीखी अभिनेत्रियों का बोलबाला था, तब भी नसीम की चमक फीकी नहीं पड़ी। गजब की खूबसूरत थीं, इस बात का जिक्र साहित्यकार, उपन्यासकार सआदत हसन मंटो ने अपनी एक रचना में भी किया था। उन्होंने नसीम की तारीफ में लिखा, उन दिनों अभिनेत्रियों में से एक थीं नसीम बानो, जो खासा मशहूर थीं। खूबसूरती की बहुत चर्चा थी। इश्तिहारों में 'परी चेहरा नसीम' कहा जाता था। मैंने अपने ही अखबार में उसके कई फोटो देखे थे। खुश शक्ल थीं, जवान थीं। खासतौर पर आंखें बड़ी पुर-कशिश थीं और जब आंखें पुर-कशिश हों तो सारा चेहरा पुर-कशिश बन जाता है।

संगीतकार नौशाद ने उन्हें 'परी-चेहरा' उपनाम दिया, जो उनकी खूबसूरती और आभा का प्रतीक बना। दिलीप कुमार और अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गजों ने

उन्हें भारतीय सिनेमा की सबसे खूबसूरत अभिनेत्री करार दिया। उनकी बेटी और बीते जमाने की खूबसूरत अभिनेत्री सायरा बानो ने खुद बताया, उनकी सुंदरता सिर्फ चेहरे तक सीमित नहीं थी। उनकी परंपरा में भी झलकता था। नसीम बानो की कहानी न केवल एक अभिनेत्री की है, बल्कि एक ऐसी महिला की है, जिसने अपने समय की रूढ़ियों को तोड़ा और भारतीय सिनेमा में अमिट छाप छोड़ी।

नसीम बानो का जन्म रोशन आरा बेगम के रूप में एक ऐसे परिवार में हुआ, जहां कला और संगीत की गहरी जड़ें थीं। उनकी मां चमियान बाई, जिन्हें शमशाद बेगम के नाम से भी जाना जाता था, उस दौर की मशहूर गायिका और तवायफ थीं। नसीम की परवरिश दिल्ली में हुई, जहां उन्होंने क्वीन मैरी हाई स्कूल में पढ़ाई की। उनकी मां चाहती थीं कि वह डॉक्टर बनें, लेकिन नसीम का दिल तो सिनेमा में बसता था, और उनकी धड़कन उसी के लिए धड़कती थी। अभिनेत्री सुलोचना की प्रशंसक नसीम का सपना था कि वह भी बड़े पर्दे पर चमकें। इस सपने को हकीकत में बदलने की शुरुआत तब हुई, जब बॉम्बे की एक यात्रा के दौरान सोहराब मोदी ने उन्हें अपनी फिल्म 'खून का खून' में अभिनय के लिए चुना। हालांकि, नसीम की मां नहीं चाहती थीं कि उनकी लाडली अभिनय की दुनिया में कदम रखे। मां के विरोध के बावजूद नसीम ने भूख हड़ताल कर अनुमति हासिल की, और इस तरह उनके सिनेमाई सफर की शुरुआत हुई।

नसीम की असली पहचान 1939 में आई सोहराब मोदी की फिल्म 'पुकार' से बनी, जिसमें उन्होंने महारानी नूरजहां का किरदार निभाया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | बुधवार | 18-06-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

श्रीराम परिवार दुर्गा पूजा समिति द्वारा शहर के पैलेस ग्राउण्ड स्थित प्रिंसेस श्राइन सभागार में आयोजित जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्य महाराज ने कथा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि वनवास काल में प्रभु श्रीराम उत्तर से लेकर दक्षिण तक जहाँ भी गए वहाँ का समस्त भू-भाग उनकी मित्रता के सूत्र में बंध गया था।

विद्यार्थियों को देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए शपथ दिलाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मंगलवार को चामराजपेट स्थित सीतादेवी रतनचंद नाहर आदर्श कॉलेज में 'ऑपरेशन सिंदूर-वोकल फॉर लोकल' कार्यक्रम के अंतर्गत कॉलेज के विद्यार्थियों को देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए शपथ दिलाई गई। संस्था के अध्यक्ष पदम राज मेहता ने सभी का स्वागत किया। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय व्यापारी बोर्ड के अध्यक्ष सुनील सिंघी, कॉलेज के सचिव जितेंद्र मरड़िया, कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर एस. प्रशांत उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ ज्योत्सना आर्यसोनी ने किया। सुनील सिंघी ने विद्यार्थियों को विकसित भारत 2047 की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए भारत और भारतीयता को अपनाने की बात कही। उन्होंने देशी व स्थानीय वस्तुओं का प्रयोग, स्थानीय रोजगार को बढ़ावा, डिजिटल इंडिया, स्वच्छ भारत, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, एक भारत श्रेष्ठ भारत जैसी संकल्पनाओं को सभी विद्यार्थियों के समक्ष रखा। कंप्यूटर विज्ञान की विभागाध्यक्ष पूर्णप्रज्ञा ने संचालन किया।

वनवासी राम सामाजिक समरसता के प्रतीक हैं : जगद्गुरु रामभद्राचार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्रीराम परिवार दुर्गा पूजा समिति द्वारा शहर के पैलेस ग्राउण्ड स्थित प्रिंसेस श्राइन सभागार में आयोजित जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्य महाराज ने कथा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि वनवास काल में प्रभु श्रीराम उत्तर से लेकर दक्षिण तक जहाँ भी गए वहाँ का समस्त भू-भाग उनकी मित्रता के सूत्र में बंध गया था। वे अपने मनुष्य धर्म से ऊपर उठकर कर्म का उदाहरण प्रस्तुत करने वाले आदर्श व्यक्तित्व के कारण ईश्वर बन गए। उन्होंने किसी का भी कभी तिरस्कार नहीं किया। शत्रु रावण को भी तिरस्कृत नहीं किया। इसलिए वे समस्त मानव जाति के मन में अजात शत्रु रहे। इसी व्यक्तित्व वैशिष्ट्य के कारण श्रीराम के चौदह वर्षों के वनवास ने श्रीराम को रामत्व प्रदान किया। श्रीराम कथा की समरस जीवन शैली, सामाजिक समरसता, वसुधैव कुटुम्बकम का ज्ञान और श्री राम की आदर्श जीवन शैली ने उन्हें कोटि कोटि जन मन का कंठहार बना दिया। श्रीराम को भगवान का दर्जा वनवासियों के बीच रहने के कारण ही मिला।

उनका पूरा जीवन सामाजिक समरसता का सर्वोत्तम उदाहरण है। प्रभु श्रीराम का पूरा जीवन शोषित, वंचित एवं पीड़ित समाज के लोगों का कल्याण करने में बीता।

कथा क्रम को आगे बढ़ाते हुए कथाव्यास ने कहा कि चित्रकूट में वनवास के लगभग बारह वर्ष बिताने के बाद प्रभु श्रीराम सीता और लक्ष्मण के साथ दण्डकारण्य की ओर बढ़े। दंडकवन क्षेत्र में प्रभु श्रीराम ने पंचवटी कुटिया का निर्माण किया। यहीं रावण की बहन सूर्पणखा वनवासी श्री राम से विवाह करने का प्रस्ताव लेकर जाती है। लेकिन राम उससे विवाह करने से इनकार कर देते हैं और अपने अनुज लक्ष्मण के पास भेज देते हैं। जब लक्ष्मण भी विवाह करने से मना करते हैं तो वह क्रोधित हो जाती है। लक्ष्मण उसके नाक-कान काट देते हैं। सूर्पणखा से इस घटना की खबर मिलने पर रावण अपने मामा मारीच को सोने का मृग बनाकर भेजता है। माता सीता उसे सोने के मृग को देखकर प्रभु श्रीराम से उसे पकड़ने को कहती हैं। प्रभु श्रीराम अपने अनुज लक्ष्मण को सीता की देखभाल करने को कहकर हिरण को पकड़ने जाते हैं। कुछ दूर जाकर मायावी मृग बने मारीच ने प्रभु श्रीराम की आवाज में हे लक्ष्मण, हे लक्ष्मण कहकर पुकारा। सीता यह पुकार सुन लक्ष्मण को राम की सहायता के लिए भेजती हैं। लक्ष्मण पहले तो मना करते हैं किन्तु बाद में माता सीता के जोर देने पर चले जाते हैं लेकिन जाते समय कुटी के चारों ओर लक्ष्मण रेखा खींच कर माता सीता को उससे बाहर न जाने के लिए कहकर जाते हैं। तभी रावण साधु का छद्मभेष धरकर वहाँ आता है और सीता का अपहरण कर ले जाता है। मार्ग में रावण को बलात एक स्त्री को विमान ले जाते देख कर जटायु ने उसका विरोध किया। दोनों के बीच युद्ध हुआ और पक्षीराज जटायु घायल हो गये। सीता की खोज करते हुए राम और लक्ष्मण वहाँ पहुँचते हैं। घायल जटायु उन्हें रावण द्वारा सीता को आकाशमार्ग से लेकर जाने के बारे में बताते हैं। वह राम को शबरी से जाकर मिलने को कहते हैं और अपने प्राण त्याग देते हैं। प्रभु श्रीराम जटायु की अंत्येष्टि करने के बाद शबरी के आश्रम पहुँचते हैं। जहाँ वर्षों से अपने प्रभु के आगमन की प्रतीक्षा कर रही शबरी श्रीराम और लक्ष्मण को देखकर आनन्द से भावविभोर हो जाती है और उन्हें चख चख कर जूठे बेर खिलाती है। प्रभु श्रीराम प्रेमपूर्वक जूठे बेर खाते हैं।

आचार्य रामचन्द्रदास ने मंगलाचरण किया। सोमवार को कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री केएस ईश्वरप्पा तथा मुख्य यजमान जसराज महेन्द्र कुमार वैष्णव के साथ मिथिलेश तिवारी, राजू सुथार, अजय पाण्डेय आदि ने कथा पूजन में भाग लिया। यजमानों के साथ सभी लोग आरती में शामिल हुए ।

वार्षिकोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अखिल भारतीय असंगठित पुरोहित कर्मचारी महासंघ कर्नाटक राज्य द्वारा आर्ट ऑफ लिविंग आश्रम कनकपुरा रोड पर 'वार्षिकोत्सव' कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें सदस्यों ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में मारुति मेडिकल के प्रमुख व वरिष्ठ समाजसेवी महेंद्र मुणोत को उनके द्वारा की गई समाज सेवा के योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

मैसूरु मरुधर किंग्स टीम बनी 'रांका कप 2025 बॉक्स क्रिकेट लीग' चैम्पियन

जैन कॉन्फ्रेंस युवा शाखा ने किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक प्रांतीय जैन कॉन्फ्रेंस के तत्वावधान में युवा शाखा द्वारा रांका कप 2025 बॉक्स क्रिकेट लीग' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन कर्नाटक प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश बुरड़, प्रमुख प्रायोजक अशोक-महेंद्र रांका व अन्य पदाधिकारियों ने किया। 20 टीमों वाली इस प्रतियोगिता में फाइनल मुकाबला मैसूरु मरुधर किंग्स टीम और कोठारी इलेक्ट्रिफायर्स शूले के बीच खेला गया। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए मैसूरु मरुधर किंग्स टीम ने खिताब अपने नाम किया। प्रमुख प्रायोजक अशोक महेंद्र रांका परिवार सहित विभिन्न अन्य प्रायोजकों का योगदान रहा। प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ व महिला शाखा की अध्यक्षा संतोष आच्छा ने युवाओं को एक मंच प्रदान करने और संगठन को मजबूत करने के लिए इस तरह के आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया। युवा शाखा के अध्यक्ष आशीष कुमार भंसाली और बॉक्स क्रिकेट लीग के चेयरमैन सुमित कोठारी ने कहा कि इस तरह के आयोजन युवाओं को जोड़ने, नेटवर्किंग बढ़ाने और टीम भावना को प्रोत्साहित करने के शानदार उदाहरण है। कर्नाटक युवा शाखा के प्रमुख मार्गदर्शक भरत कोठारी सहित प्रमुख पदाधिकारियों ने विभिन्न प्रकार से अपना दायित्व निभाया ।

युवा उपाध्यक्ष महावीर क़ानूंनगा एवं वर्षा भंसाली ने संचालन किया। प्रचार प्रसार मंत्री यश बाफना ने बताया कि इस अवसर पर परिवार जोड़ो अभियान के तहत कई नए सदस्यों को जैन कॉन्फ्रेंस से जोड़ा। इस मौके पर जैन कॉन्फ्रेन्स के मुख्य शाखा, युवा महिला शाखा के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। क्रिकेट प्रतियोगिता चेयरमैन सुमित कोठारी ने धन्यवाद दिया ।

'ध्यानयोग और विद्याओं के सिद्ध साधक थे आचार्यश्री बुद्धिसागरसूरी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसपेट। मंगलवार को आदिनाथ जैन धर्मशाला में विशाल संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जिस प्रकार भारत कृषि प्रधान देश है, उसी प्रकार यह ऋषि प्रधान देश रहा है। श्रमणों और संतों की यहां प्राचीन परंपराएं रही हैं। जब सूखा पड़ता है, कृषि नहीं होती तो अनाज के अभाव में भूख से हजारों-हजारों लोग बेवक्त मर जाते हैं। उसी तरह जहां साधु-संतों के रूप में गुरु नहीं होते, वहां धर्म और संस्कारों की परंपरा भी दम तोड़ने लगती है। इतिहास साक्षी है कि जहां-जहां साधु-संतों का आवागमन नहीं रहा, वे क्षेत्र आचरण और विचारों से पतित, शुष्क तथा धर्महीन बन गए। साधु-संत दूरदराज के इलाकों तक विचरण कर मनुष्य की शुष्क मनोभूमि पर धर्म का बीजारोपण करते हैं। वे अपने आचरण और विचारों से मानवता को ऊष्मा व ऊर्जा प्रदान करते हैं। भारतीय समाज में ऐसे हजारों-लाखों साधु-संतों और श्रमणों का गौरवशाली इतिहास है। श्वेताम्बर जैन आचार्य बुद्धिसागरसूरीश्वर भी एक ऐसा ही यशस्वी नाम है। जैनाचार्य ने कहा कि गुजरात के विजापुर में एक किसान पटेल परिवार में महाशिवरात्रि के दिन आचार्य बुद्धिसागरसूरीश्वरजी का जन्म हुआ था। उन्होंने जैन दीक्षा अंगीकार कर ध्यान-योग, मंत्र और विद्याओं की अद्भुत साधना की थी। मात्र 24 वर्ष के अपने साधु जीवन में उन्होंने संस्कृत, प्राकृत और गुजराती भाषा में 135 ग्रंथों की रचना की थी। उन्होंने अनेक भविष्यवाणियां लिखी थीं, जो सभी कालांतर में सत्य सिद्ध हो गईं। आचार्य बुद्धिसागरसूरीश्वरजी ने राष्ट्रीय जागरण, स्वतंत्रता आंदोलन, सामाजिक उत्कर्ष, वैचारिक क्रांति, कुरीतियों के उन्मूलन, संस्कारों के सिंचन, बलिप्रथा निषेध, कन्याओं की पढ़ाई और मानवता की रक्षा के लिए जीवनभर निरंतर काम किए। गणि पद्मविमलसागरजी ने कहा कि बड़ौदा रियासत के तत्कालीन राजा सयाजीराव गायकवाड़ जैनाचार्य के परम भक्त थे। उनके ग्रंथ कर्मयोग के लिए बालगंगाधर लोकमान्य तिलक ने उन्हें पत्र लिखकर अभिनंदित किया था।

इस अवसर पर मुनि वैभवरत्नविजयजी ने कहा कि सही आचार-विचार और व्यवहार से ही हम उन्नति की राह प्रशस्त कर सकते हैं। धर्म की बातों को व्यवहारिक जीवन में लागू करना ही धार्मिक होने का तात्पर्य है। इस अवसर पर आसपास के अनेक क्षेत्रों के श्रद्धालु उपस्थित थे।

जीतो व जेपीएफ बेंगलूरु साउथ ने शुरू किया 'नॉलेज सीरीज' कार्यक्रम

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जीतो साउथ चैप्टर फाउंडेशन ने और जीतो प्रोफेशनल फोरम (जेपीएफ) के साथ व्यवसाय, प्रोफेशनल और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नॉलेज सीरीज' का शुभारंभ किया। इस ऑनलाइन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में स्टेबल मनी के संस्थापक सौरभ जैन ने शामिल 130 लोगों को प्रशिक्षण दिया। 15 सितंबर तक चलने वाली इस सीरीज में विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों की अंतर्दृष्टि, चर्चा और ज्ञान साझा किया जाएगा। जेपीएफ बेंगलूरु साउथ के संयोजक रौनक गुलेच्छा ने सभी का स्वागत किया। शुभारंभ कार्यक्रम का संचालन करते हुए तरुण कुमार बागमार और अक्षय खाटेड़ ने परिचर्चा के माध्यम से अतिथि वक्ताओं से स्टार्ट-अप, वित्त और उद्यमिता पर चर्चा की। जीतो साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने शुभकामनाएं दी। जेपीएफ साउथ के चेयरमैन हरि किशन छाजेड़ ने धन्यवाद दिया ।

तेयुप विजयनगर ने सातवीं एटीडीसी एवं आचार्य महाप्रज्ञ मेडिकल सेन्टर का किया शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा रविवार को सातवीं आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेन्टर(एटीडीसी) एवं आचार्य महाप्रज्ञ मेडिकल का जैन संस्कार विधि से अभातेयुप के अध्यक्ष रमेश डागा की अध्यक्षता में शुभारम्भ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष विमल कटारिया, उद्घाटनकर्ता शायर-हीरालाल मालू, एटीडीसी के राष्ट्रीय सहप्रभारी आलोक छाजेड़, महाप्रज्ञ मेडिकल के राष्ट्रीय प्रभारी विकास बोथरा, सहप्रभारी अमित दक, अभातेयुप प्रबुद्ध विचारक एवं मुख्य प्रायोजक दिनेश पोखरणा, तेरापंथी सभा विजयनगर के अध्यक्ष मंगल कोचर, महिला मंडल अध्यक्षा मंजू गादिया, प्लेटिनम प्रायोजक अरविंद-पवन मांडोत परिवार व अन्य सहयोगी उपस्थित थे।

विजयनगर तेयुप के अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने स्वागत करते हुए इस सेन्टर के शुभारंभ को जनउपयोगी सिद्ध होने वाला बताया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा ने कहा कि रियायती दरों पर परीक्षण करने से जरूरतमंदों को जो सहायता होती है वही सच्ची मानव सेवा है। विमल कटारिया ने कहा कि विजयनगर के कार्यकर्ता श्रम और निष्ठा से न केवल आध्यात्मिक कार्य करते हैं, बल्कि सामाजिक कार्यों में भी पूरी रुचि दिखाते हैं। अभातेयुप के उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने कहा कि विजयनगर परिषद को विजयनगर में एक हॉस्पिटल के निर्माण की ओर अग्रसर होना चाहिए।

उदघाटनकर्ता शायर-हीरालाल मालू ने युवाओं का उत्साह वर्धन किया। दिनेश पोखरणा ने तेयुप विजयनगर के हर एक सदस्य का इस कार्य में लगे श्रम और लगन की सराहना की। इसके अलावा उपस्थित विभिन्न राष्ट्रीय व स्थानीय पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर एटीडीसी के संचालकों, दानदाताओं व अतिथियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का समापन संस्कारक राकेश दुधेड़िया द्वारा मंगल पाठ से किया गया। मंत्री संजय भटेवरा ने धन्यवाद दिया ।

जीतो मैसूरु लेडीज विंग ने आयोजित की 'जायका' प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। जीतो चैप्टर के अन्तर्गत जीतो लेडीज विंग मैसूरु ने पाक प्रतियोगिता 'जायका' का आयोजन किया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित नम्रता शेनाय का स्वागत लेडीज़ विंग की अध्यक्ष मोना भटेवरा ने किया। चैप्टर के अध्यक्ष विनोद बाकलीवाल व मुख्य सचिव गौतम सालेचा ने महिलाओं के आयोजन की सराहना की तथा शुभकामनाएं दी। इस मौके पर चैप्टर के अनेक पदाधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित थे। निर्णायक के रूप में उपस्थित सैफ विनय कुमार व अलका बैंगानी ने 8 सदस्याओं द्वारा बनाए गए खाद्य आइटम का विभिन्न आधार पर मूल्यांकन किया तथा संगीता खाबिया को प्रथम, खुशी भंडारी को द्वितीय व हर्षिता कोठारी को तृतीय घोषित किया।

सभी विजेताओं व सहभागियों का सम्मान किया गया।कार्यक्रम में लेडीज़ विंग की पदाधिकारियों ने व्यवस्था संभाली। सह सचिव योगिता मुथा ने संचालन किया और उपाध्यक्ष सरिता बाघमार ने धन्यवाद दिया।

आत्म-संदेह को रास्ते की बाधा न बनने दें: गूगल भारत प्रमुख ने महिला तकनीकी विशेषज्ञों से कहा

नई दिल्ली/भाषा। यदि आप तकनीकी उद्योग में एक महिला पेशेवर हैं और नेतृत्व की भूमिका की तलाश कर रही हैं, तो अपने लक्ष्यों पर स्पष्ट रूप से ध्यान केंद्रित करें, जरूरी कौशल विकसित करें, सलाहकारों और सहयोगियों की तलाश करें और आत्म-संदेह को अपने रास्ते में बाधा न बनने दें। यह सलाह गूगल इंडिया की नवनियुक्त क्षेत्रीय प्रबंधक और उपाध्यक्ष प्रीति लोबाना ने दी। नैसकॉम के अनुमान के अनुसार, भारत में 58 लाख तकनीकी कर्मचारियों में लगभग 36 प्रतिशत महिलाएं हैं, जिनका प्रवेश स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत प्रतिनिधित्व है। उच्चतम नेतृत्व पदों पर यह आंकड़ा उल्लेखनीय रूप से घटकर लगभग पांच प्रतिशत रह जाता है।

लोबाना ने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने और जरूरी कौशल हासिल करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने महिलाओं को आत्म-संदेह से दूर रहने और निडरता से अपनी क्षमता को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

लोबाना ने कहा कि दृढ़ संकल्प और सही समर्थन के साथ कोई भी बाधा बहुत बड़ी नहीं है। उन्होंने कहा, ''स्त्री हो या पुरुष दोनों में किसी के लिए, नेतृत्व की ओर बढ़ने के साथ ही आगे का रास्ता संकरा हो जाता है, और महिलाओं के लिए यह एक कठिन चुनौती है। इस बारे में स्पष्टता होनी चाहिए कि आप कहां जाना चाहते हैं और अपने कौशल का निर्माण करना, सही सहयोगी, प्रायोजक, सलाहकार, व्यक्तिगत 'निदेशक मंडल' होना जरूरी है।''

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com